RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः02 , बुधवार, 11 फरवरी 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

आवाज उठाने पर सांसद पप्पू यादव की गिरफ्तारी लोकतंत्र पर हमला, विरोध में फूंका मुख्यमंत्री ... 03

रोगी हितधारक मंच के सदस्यों के सहयोग से लोगों को खिलाई गईं सर्वजन दवा... 04

अस्सी का ट्रेलर आउट, दमदार अंदाज में दिखीं तापसी पन्नू 07

सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में बताया-वांगचुक बिल्कुल ठीक

- एम्स में अच्छा इलाज मिल रहा, हिरासत पर विचार की है मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि सोनम वांगचुक बिल्कुल ठीक हालत में हैं। हिरासत में रहते हुए उन्हें एम्स जोधपुर में अच्छा इलाज मिल रहा है। वांगचुक के वकील ने कहा कि उनकी हिरासत पर फिर से विचार करने का यह सही समय है क्योंकि वह अभी भी अस्वस्थ हैं। केंद्र की ओर से पेश हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने बताया कि वांगचुक की हिरासत पर अभी तक कुछ तय नहीं हुआ है। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस पीबी वराले की बेंच वांगचुक की

गिरफ्तारी के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई कर रही है। 11 फरवरी को अगली सुनवाई होगी। दरअसल, 24 सितंबर 2025 को लेह में हुई हिंसा भड़काने के आरोप में 26 सितंबर को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत 26 वांगचुक को पुलिस ने हिरासत में लिया गया था। तब से वे जोधपुर जेल में हैं। इससे पहले 2 फरवरी को सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि सोनम वांगचुक लद्दाख को नेपाल या बांग्लादेश जैसा बनाना चाहते हैं। ऐसे व्यक्ति को और जहर उगलने की इजाजत नहीं दी जा सकती। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि वांगचुक के भाषण में राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा सीधा खतरा दिखता है।

बांग्लादेश चुनाव से पहले फिर हुई हिंसा

- दुकान में घुसकर हिंदू कारोबारी की बेरहमी से हत्या

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में चुनाव से पहले एक बार फिर अल्पसंख्यक हिंदुओं को निशाना बनाया गया है। सोमवार देर रात मैमनसिंह जिले में एक हिंदू व्यापारी की उसकी दुकान के अंदर चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया है कि मरने वाले की पहचान 62 साल के सुशेन चंद्र सरकार के रूप में हुई है। वह साउथकांडा के रहने वाले थे। सुशेन चावल व्यापारी थे और त्रिशाल उपजिला के बोगर बाजार में उनकी

'मेसर्स भाई भाई एंटरप्राइज' नाम से एक दुकान थी। इस हत्या के बाद भारत में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने बांग्लादेश को लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं दी है। मैमनसिंह जिला पुलिस ने बताया है कि यह घटना रात करीब 11 बजे हुई। सुशेन चंद्र सरकार अपनी दुकान के अंदर मौजूद थे, तभी अज्ञात हमलावरों ने उन पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया। हमलावरों ने हत्या करने के बाद दुकान का शटर गिरा दिया और शव को अंदर छोड़कर मौके से फरार हो गए।

बच्चों के गायब होने को लेकर 'सुप्रीम' सख्ती

- कहा-देश भर में कोई नेटवर्क तो नहीं, पता लगाए सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बच्चों के लापता होने की खबरों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा है कि वह पता करे कि इसके पीछे कोई देशव्यापी नेटवर्क तो नहीं है। अदालत ने कहा कि आप देखें कि क्या पूरे देश में ऐसा कोई नेटवर्क है या फिर किसी राज्य में ही स्टेट लेवल पर ऐसा चल रहा है। बीते कुछ दिनों में बच्चों के गायब होने की खबरें काफी ज्यादा देखी गई थीं। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्ल भुइयां ने कहा कि यह पता लगाने की जरूरत है कि ऐसी घटनाओं के पीछे कोई एक ही पैटर्न है या फिर ऐसी घटनाओं में आपस में कोई संबंध नहीं है। अदालत ने केंद्र सरकार से कहा कि वह ऐसी घटनाओं का सभी राज्यों से ब्योरा जुटाए। इस दौरान केंद्र सरकार की ओर से अडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्य भाटी मौजूद थीं। उन्होंने कहा कि कुछ राज्यों की ओर बच्चों के लापता होने का डेटा दिया गया है। ऐसे मामलों में चल रहे मुकदमों का स्टेटस भी मिला है, लेकिन अब भी करीब एक दर्जन ऐसे राज्य हैं, जहां से जानकारी नहीं मिल पाई है। ऐश्वर्या ने कहा कि केंद्र सरकार को पूरा डेटा मिलने के बाद ही उसका विश्लेषण किया जा सकता है। इस पर बेंच ने भाटी से कहा, %हम यह जानना चाहते हैं कि इसके पीछे कोई राष्ट्रव्यापी नेटवर्क है या फिर राज्य स्तर पर ही ऐसा कुछ हो रहा है। यह कोई पैटर्न है या फिर इन घटनाओं में कोई आपसी ताल्लुक नहीं है।

लोकसभा स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस पेश

- 118 सांसदों के दस्तखत,2 बार स्थगन के बाद लोकसभा में बजट पर चर्चा शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्ष ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस पेश कर दिया। इसमें 118 सांसदों के हस्ताक्षर हैं। बजट सत्र के 10वें दिन मंगलवार को लोकसभा में प्रश्नकाल में कार्यवाही नहीं हो सकी। 11 बजे सदन शुरू होते ही विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। महज 1 मिनट बाद चेयर पर मौजूद पीसी मोहन 12 बजे तक के लिए सदन स्थगित कर दिया। दोपहर 12 बजे सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई। इस बीच भी विपक्ष का हंगामा जारी रहा। सांसद वी वॉन्ट जस्टिस के नारे लगाते रहे। इसके बाद सदन 2 बजे तक स्थगित कर दिया गया। हंगामे के बीच किरेन रिजिजू ने विपक्षी सांसदों से हाथ जोड़कर कहा कि बजट पर चर्चा होने दें।

नरवणे की अनपब्लिश्ड किताब के सर्कुलेशन पर एफआईआर

- राहुल इसकी कॉपी लेकर संसद पहुंचे थे
- दावा किया-चीन ने लद्दाख में घुसपैठ की थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व आर्मी चीफ जनरल एमएम नरवणे की अनपब्लिश्ड किताब 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी के सर्कुलेशन को लेकर दिल्ली पुलिस ने सोमवार को एफआईआर दर्ज की है। यह कार्रवाई अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और ऑनलाइन न्यूज फोरम पर सामने आई जानकारी के आधार पर की गई, जिसमें दावा किया गया था कि किताब की प्री-प्रिंट कॉपी सर्कुलेट हो रही है। पुलिस के मुताबिक, इस

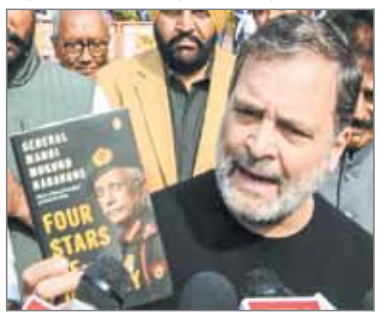

किताब के पब्लिकेशन के लिए अभी संबंधित अधिकारियों से आवश्यक मंजूरी नहीं मिली है। पुलिस जांच में सामने आया कि इसी टाइटल वाली एक टाइप-सेट किताब की कॉपी कुछ वेबसाइट्स पर उपलब्ध थी। आशंका जताई गई है कि पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने जो कॉपी तैयार की थी, यह वही हो सकती है। इसके अलावा, कुछ ऑनलाइन मार्केटिंग प्लेटफॉर्म्स पर किताब के कवर को इस तरह दिखाया गया, जैसे वह खरीद के लिए उपलब्ध हो। इस पूरे मामले की जांच के लिए दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने केस दर्ज किया है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि अप्रकाशित और बिना मंजूरी वाली किताब की सामग्री कैसे सार्वजनिक हुई और इसके पीछे कौन लोग शामिल हैं। यह एफआईआर ऐसे समय दर्ज की गई है, जब 4 फरवरी को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को संसद परिसर में किताब की एक कॉपी दिखाते हुए देखा गया था। राहुल ने कहा था- अगर पीएम मोदी संसद आए तो उन्हें यह किताब दूंगा। लोकसभा में 2-3 फरवरी को राहुल गांधी ने एक मैगजीन में छपे आर्टिकल को पढ़ने की कोशिश की थी।

कयामत तक बाबरी नहीं बनेगी, सपने न देखें

- बाराबंकी में सीएम योगी की दो टूक, दिया बयान

बाराबंकी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश से बाबरी मस्जिद विवाद का जिन्न एक बार फिर फूट पड़ा है। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले इस मुद्दे को गरमाने की कोशिश चल रही है।

वहीं, विवाद की लौ अब यूपी तक भड़कती दिखने लगी है। मामले में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ मैदान में उतर गए हैं। यूपी में भी 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं।

इससे पहले एक बार फिर बाबरी मस्जिद के मुद्दे को हवा देने की कोशिश चल रही है। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद का निर्माण शुरू होने वाला है।

इसके विरोध में हिंदू संगठनों ने लखनऊ से मुर्शिदाबाद कूच का ऐलान किया है। सीएम योगी ने मुद्दे पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा है कि बाबरी ढांचे का पुनर्निर्माण कभी भी नहीं होगा, कयामत तक बाबरी ढांचा नहीं बनेगा। मंगलवार को बाराबंकी के श्री राम जानकी मंदिर में आयोजित दशम श्री हनुमान विराट महायज्ञ एवं श्री रामार्चा पूजन कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ पहुंचे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि यह सरकार जो बोलती है, करके दिखाती है। यह जितना करती है, उतना ही बोलती है। हमने कहा था रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे...। सीएम योगी ने सवालिया लहजे में जनसमूह से पूछा कि क्या आज कोई संदेह है। हम आज फिर इस बात को कह रहे हैं कि कयामत के दिन तक भी बाबरी ढांचा नहीं बनेगा। सीएम योगी ने कहा कि अब किसी में बाबरी बनवाने का दम नहीं है।

पूर्व के हालातों की चर्चा

सीएम योगी आदित्यनाथ ने टिकैतनगर के दुल्हदेपुर कुटी में आयोजित दशम श्री हनुमत विराट महायज्ञ एवं श्रीरामार्चा पूजन में शामिल होकर पूजा-अर्चना की। सीएम योगी यज्ञ मंडप में आहुति देते दिखे। कार्यक्रम में पहुंचने पर संत बलराम दास ने उन्हें मखाने और लावा की माला पहनाकर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में सीएम योगी ने वर्ष 2017 से पहले यूपी के हालात की चर्चा की। सीएम योगी ने कहा कि पहले प्रदेश में हालात ऐसे थे कि हर चौथे दिन शहरों में कर्फ्यू लगाना पड़ता था। कोई भी पर्व-त्योहार शांति से नहीं मनाए जा सकते थे।

बढ़ते अपराधों को लेकर घिर गए बिहार के सीएम

- तेजस्वी यादव का हमला, मुख्यमंत्री की भाषा पर जताया ऐतराज

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा में आज विपक्ष के विधायकों ने भारी हंगामे के बाद सदन की कार्यवाही का बहिष्कार कर दिया। विपक्ष के विधायकों ने सदन से वाकऑउट किया। बाद में विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के विधायक तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतिश कुमार और उनके नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पर हमला किया। उन्होंने सरकार पर राज्य में बढ़ते अपराधों पर जवाब न देने और मुख्यमंत्री पर पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के लिए अनुचित भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। तेजस्वी यादव ने कहा कि, बिहार में अपराध में वृद्धि हो रही है। छोटी बच्चियों के साथ रेप हो रहा है। नीट (छात्रा की मौत) का मामला ठंडा भी नहीं हुआ, दरभंगा में मामला आया। आरजेडी ने इस सवाल को सदन में उठाया। इसका जवाब देने के बजाय जिस प्रकार की भाषा मुख्यमंत्री जी ने इस्तेमाल की इससे लोगों का मन और बढ़ता है। उन्होंने कहा कि,क्राइम में वृद्धि हो रही है और छोटी-छोटी बच्चियों के साथ गैंग रेप हो रहा है। कई बड़ी-बड़ी घटनाएं हुई हैं।

- **विधानसभा के अंदर और बाहर विरोध प्रदर्शन**- बिहार विधानसभा में मंगलवार को विपक्ष ने महिलाओं के खिलाफ बलात्कार सहित अन्य अपराधों के बढ़ने पर जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया। विपक्ष के विधायकों ने भारी हंगामा किया और उनको बोलने का मौका नहीं दिए जाने पर वे वॉकआउट कर गए। विधानसभा की कार्यवाही शुरू होने से पहले ही विपक्ष के विधायकों ने विधानसभा परिसर के बाहर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया था। वे आरोप लगा रहे थे कि बिहार में कानून और व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गई है। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के विधायक विधानसभा के गेट पर नारे लगाते हुए देखे गए।

गोंडा से 10 गाड़ियों से मुर्शिदाबाद के लिए निकले वीएचपी कार्यकर्ता

- लखनऊ में रोके गए, अध्यक्ष हाउस अरेस्ट, बाबरी मस्जिद ढहाने का किया है ऐलान

गोंडा (एजेंसी)। यूपी के लखनऊ, गोंडा सहित कई जनपदों से विश्व हिंदू रक्षा परिषद के कार्यकर्ता पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जाने के लिए निकले हैं। मंगलवार को गोंडा में 10 गाड़ियों से सामाजिक न्याय प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष आर्य हीरू के नेतृत्व में कार्यकर्ता रवाना हुए। उधर, लखनऊ में 15 गाड़ियां लेकर जा रहे कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोक दिया। पुलिस के रोके जाने पर कार्यकर्ताओं ने हाथ में भगवा झंडा, कुल्हाड़ी और फावड़ा लेकर करीब 2 घंटे तक प्रदर्शन किया। अध्यक्ष गोपाल राय को पुलिस ने पहले ही हाउस अरेस्ट कर लिया है। दरअसल, पश्चिम बंगाल के विधायक हुमायूं कबीर मुर्शिदाबाद में बाबरी

मस्जिद का निर्माण करा रहे हैं। शिलान्यास के दिन करीब 2 लाख लोग ईंट लेकर शामिल होने पहुंचे थे। इस पर हिंदूवादी संगठन ने मस्जिद को ढहाने का ऐलान किया था। संगठन के अध्यक्ष गोपाल राय ने कहा था कि यूपी से कार्यकर्ता मुर्शिदाबाद जाएंगे और वहां बन रही मस्जिद को ढहाने का काम करेंगे। इस ऐलान से संबंधित होर्डिंग्स भी लखनऊ सहित कई जगहों पर लगाए गए थे। विश्व हिंदू रक्षा परिषद के पदाधिकारियों ने बताया कि अधिकतर जनपदों से कार्यकर्ता कूच कर रहे।

रूस 'दोस्त' फिर भी भारतीय छात्रों के साथ भेदभाव

- आधी से ज्यादा शिकायतें पुतिन के देश से, परिजन नाराज

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश में भारतीय छात्रों द्वारा की गई शिकायतों में से 50 प्रतिशत रूस से संबंधित हैं। विदेश मंत्रालय के ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि भारतीय छात्रों द्वारा विश्व स्तर पर दर्ज की गई शोषण और नस्लीय भेदभाव की सभी शिकायतों में से 50 फीसदी से अधिक शिकायतें रूस से आती हैं, जिसमें मॉस्को सबसे बड़ा केंद्र बनकर उभरा है।

आंकड़ों के अनुसार, 2025 में 196 देशों में भारतीय छात्रों ने शोषण, उत्पीड़न और नस्लीय भेदभाव की लगभग 350 शिकायतें दर्ज कराईं। इनमें से 200 से अधिक शिकायतें अकेले रूस से आई। दूसरे नंबर पर फ्रांस का स्थान रहा जहां 97 शिकायतें दर्ज की गईं। रूस में पढ़ रहे अधिकांश भारतीय मेडिकल छात्र राजस्थान, गुजरात, आंध्र प्रदेश , तेलंगाना, केरल और तमिलनाडु राज्यों से

आते हैं। अपेक्षाकृत कम ट्यूशन फीस और आसान प्रवेश प्रक्रियाओं के कारण रूस भारतीय छात्रों, विशेष रूप से मेडिकल शिक्षा प्राप्त करने वालों के लिए सबसे लोकप्रिय जगहों में से एक बना हुआ है। हालांकि, भेदभाव की बढ़ती शिकायतों ने सुरक्षा संबंधी गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। पिछले तीन सालों में ऐसे मामलों में तेजी से बढ़ोत्तरी हुई है। 2023 में 68 शिकायतें थीं जो 2024 में 78 हो गईं और फिर 2025 में बढ़कर 201 हो गईं। रिपोर्ट के अनुसार, रूस में रह रहे भारतीय छात्रों ने बताया कि उनके साथ अक्सर दूसरे देशों के छात्रों द्वारा भेदभाव किया जाता है। कुछ छात्रों ने तो विश्वविद्यालयों द्वारा मानसिक उत्पीड़न का भी आरोप लगाया है, जिसमें मामूली मुद्दों या उल्लंघनों पर निष्कासन की धमकियां शामिल हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों से प्रतिशोध के डर या वीजा और इमिग्रेशन संबंधी जटिलताओं के कारण उनकी कई शिकायतें आधिकारिक माध्यमों तक नहीं पहुंच पातीं।

भारतीय छात्रों के साथ नस्लीय भेदभाव

विदेशी मेडिकल स्नातक संघों के सदस्यों ने भी रूस में भारतीय छात्रों के साथ नस्लीय भेदभाव, दुर्व्यवहार और संस्थागत समर्थन की कमी को स्वीकार किया। शिकायतों को शायद ही कभी गंभीरता से लिया जाता है। छात्र चुपचाप पीड़ा सहते हैं क्योंकि विश्वविद्यालय अक्सर उन्हें दरकिनार कर देते हैं। दावों के मुताबिक, रूसी नियमों के अनुसार प्रत्येक संस्थान में विदेशी छात्रों की संख्या लगभग 200 तक सीमित है लेकिन कुछ विश्वविद्यालय 1200 से अधिक छात्रों को प्रवेश देते हैं और बाद में उन्हें निष्कासित कर देते हैं। इन मुद्दों के कारण हाल के वर्षों में रूस को चुनने वाले भारतीय छात्रों की संख्या में कम से कम 50त्न की गिरावट आई है। इसके अलावा, 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद से, सुरक्षा संबंधी चिंताओं और शैक्षणिक अनिश्चितता के कारण भारतीय छात्रों की रूस में एमबीबीएस करने में रुचि कम हो गई है। इस बीच, विदेश में शोषण और नस्लीय भेदभाव का सामना कर रहे भारतीय श्रमिकों और छात्रों के बारे में हाल ही में लोकसभा में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए, विदेश मामलों के राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा कि शिक्षा और छात्र कल्याण से संबंधित मामलों को संभालने के लिए विदेशों में भारतीय दूतावासों और दूतावासों में अधिकारियों की तैनाती की गई है। उन्होंने कहा, हमारे दूतावास विदेशों में पढ़ रहे भारतीय छात्रों के साथ नियमित संपर्क बनाए रखते हैं और उन्हें वहां रहने के दौरान आने वाली चुनौतियों और खतरों के बारे में जानकारी देते हैं। दूतावास प्रमुख और वरिष्ठ दूतावास अधिकारी अपने-अपने मान्यता प्राप्त देशों में स्थित विदेशी शिक्षण संस्थानों का दौरा करते हैं ताकि भारतीय छात्रों से बातचीत कर सकें।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली इंजीनियरिंग कॉलेज में 5 दिवसीय संगोष्ठी का समापन

हाजीपुर। बिदुपुर के चकसिकंदर स्थित गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, वैशाली में बिहार विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा प्रायोजित पांच दिवसीय संगोष्ठी का समापन हो गया। "स्मार्ट कम्युनिकेशन और ऊर्जा प्रौद्योगिकियों" पर आधारित इस संगोष्ठी के सफल प्रशिक्षण के बाद प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनंत कुमार के संबोधन और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। बीटेक के छात्र प्रकाश कुमार ने मंच का संचालन किया। इस अवसर पर प्रतिभागियों के साथ-साथ महाविद्यालय के फैकल्टी सदस्य भी उपस्थित रहे। बिहार काउंसिल ऑन साइंस एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक और महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनंत कुमार ने ऑनलाइन माध्यम से संगोष्ठी को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि विकसित बिहार का उद्देश्य आईटी के क्षेत्र में अग्रणी बनना है, जिसके लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। ऐसे कार्यक्रम छात्र-छात्राओं को समय के अनुकूल ज्ञानवर्धन का अवसर प्रदान करते हैं, जो उनके करियर निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्राचार्य ने इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित इस सेमिनार के लिए महाविद्यालय के फैकल्टी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान हेड ऑफ द डिपार्टमेंट डॉ. रवि रंजन ने उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उनका मनोबल बढ़ाया। प्रो. कुमार विमल ने छात्र-छात्राओं को सेमिनार में सीखे गए ज्ञान को वास्तविक जीवन में प्रयोग करने का संदेश दिया। सेमिनार की संयोजक डॉ. तृप्ता ने इसे सफल बनाने में अथक प्रयास करने वाले सभी फैकल्टी सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने चलचित्र के माध्यम से सेमिनार के सत्रों के परिणामों पर चर्चा की और उपस्थित प्रतिभागियों के बीच सेमिनार के उद्देश्यों को विस्तृत रूप से प्रस्तुत कर उनका ज्ञानवर्धन किया। डॉ. तृप्ता ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य स्मार्ट कम्युनिकेशन सिस्टम और ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में हाल के विकास के बारे में मूल्यवान जानकारी प्रदान करना था।

वैशाली में भाई पर तलवार से किया हमला

हाजीपुर। वैशाली जिले के महुआ थाना क्षेत्र में चकमालकानी के वार्ड नंबर 03 में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। 9 फरवरी 2026 को बीमार मां के इलाज का खर्च मांगने पर छोटे भाई ने बड़े भाई के सिर पर तलवार से हमला कर दिया। पीड़ित शिवनाथ दास (50) ने बताया कि जब वह घर का काम कर रहे थे, तभी उनके छोटे भाई प्रेम कुमार दास (50) लाठी-डंडे और तलवार लेकर मौके पर पहुंचे। प्रेम कुमार दास ने शिवनाथ दास को गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की नीयत से तलवार से उनके सिर पर वार किया। इस हमले में शिवनाथ दास के सिर पर गंभीर चोट आई। जब शिवनाथ दास की पत्नी उन्हें बचाने आईं, तो प्रेम कुमार दास ने उन्हें पकड़कर जमीन पर गिरा दिया। प्रियंका देवी और रामनाथ दास ने भी शिवनाथ दास की पत्नी को रोकने का प्रयास किया। इस घटना में प्रेम कुमार दास के साथ प्रियंका देवी, रेणु देवी, अनु देवी और प्रभा देवी भी शामिल थीं। ये सभी विशुनदेव दास की संतानें बताई जा रही हैं। स्थानीय लोगों की मदद से शिवनाथ दास को महुआ अनुमंडलीय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनके सिर पर 17 टांके लगाए। शिवनाथ दास ने पुलिस से इस मामले में उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। इस संबंध में महुआ थाना अध्यक्ष ने बताया कि थाने में आवेदन प्राप्त हुआ है और मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

शादी का कार्ड बांटकर लौट रहे युवक की मौत

हाजीपुर। वैशाली के सराय थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में युवक की मौत हो गई। यह घटना सराय टोल प्लाजा के पास हुई, जब युवक अपनी ममेरी बहन की शादी का कार्ड बांटकर घर लौट रहा था। अज्ञात वाहन की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान गरौल थाना क्षेत्र के भटौलिया गांव निवासी मिथिलेश राय के पुत्र पवन कुमार के रूप में हुई है। वह मुजफ्फरपुर से अपने मामा की बेटी की शादी के कार्ड बांटकर लौट रहा था और उसके साथ एक साथी भी था। मृतक के चाचा साहेब लाल राय ने बताया कि सराय टोल प्लाजा के पास पवन ने नाश्ता किया था। इसके बाद वह घर लौटने के लिए NH 22 सड़क पार कर रहा था। तभी एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे कुचल दिया। हादसे की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सराय थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

मुजफ्फरपुर में अतिक्रमण हटाने गई टीम का विरोध

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में अतिक्रमण हटाओ अभियान के चौथे दिन भारी हंगामा हुआ। ग्रामीणों और अतिक्रमण हटाने गई टीम के साथ झड़प हुई है। मामला सिकंदरपुर थाना क्षेत्र में लकड़ी ढाई बांध रोड का है। अतिक्रमण हटाओ अभियान का ग्रामीण विरोध कर रहे थे, जबकि कुछ अन्य लोग प्रशासन की कार्रवाई का समर्थन कर रहे थे। इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच विवाद शुरू हो गया, जिसने जल्द ही हिंसक रूप ले लिया और इलाके में तनाव फैल गया। विरोध कर रहे ग्रामीणों ने सड़क पर आगजनी की और बांस-बल्ले लगाकर मार्ग को अवरुद्ध कर दिया, जिससे यातायात बुरी तरह से प्रभावित हुआ। ग्रामीणों ने प्रशासन पर भेदभाव का आरोप लगाया। उनका कहना था कि उनके घरों को बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के उजाड़ा जा रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, मौके पर पुलिस बल बुलाया गया। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी ग्रामीणों को समझाने और स्थिति को शांत करने का प्रयास कर रहे थे। हालांकि, सालों से वहां रह रहे स्थानीय लोग वैकल्पिक आवास की मांग पर अड़े रहे। घटना के कारण लकड़ी ढाई बांध रोड पर आवागमन बाधित रहा, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह अभियान न्यायालय के आदेशानुसार चलाया जा रहा है। इलाके में अभी भी तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है और पुलिस बल तैनात है। मामले की जांच की जा रही है और आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मुजफ्फरपुर पुलिस ने शुरू किया 'ऑपरेशन चेतक'

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर पुलिस ने जिले में बढ़ते वाहन चोरी के मामलों पर अंकुश लगाने के लिए 'ऑपरेशन चेतक' शुरू किया है। एसएसपी कांतेस कुमार मिश्रा के निर्देश पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत पुलिस टीम शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के गैराजों की सघन तलाशी ले रही है। ग्रामीण एसपी राजेश सिंह प्रभाकर ने बताया कि ऑपरेशन का मुख्य उद्देश्य चोरी या लूटे गए वाहनों को बरामद करना और उन ठिकानों को नष्ट करना है, जहां अपराधी इन्हें छिपाते हैं। पुलिस को जानकारी मिली थी कि शातिर अपराधी चोरी के वाहनों के इंजन और चेसिस नंबर बदलकर या उनके पुर्जे बेचने के लिए स्थानीय गैराज का उपयोग करते हैं। इनपुट के आधार पर जिले के सभी छोटे-बड़े मैकेनिक शॉप और गैराजों में विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। सत्यापन के दौरान, पुलिस अधिकारी वाहनों के कागजात की जांच कर रहे हैं। तकनीकी विशेषज्ञों की सहायता से इंजन तथा चेसिस नंबर का डेटाबेस से मिलान कर रहे हैं। अगर किसी वाहन का नंबर संदिग्ध पाया जाता है या कागजात में कोई विसंगति मिलती है, तो उसे तत्काल जब्त किया जा रहा है।

नीट छात्रा की मौत पर प्रदर्शन महिलाओं पर लाठीचार्ज

एजेंसी, पटना

- दूसरी बैरिकैडिंग तोड़ने की भी कोशिश, बोलीं- चुनाव से पहले 10 हजार-बाद में हत्या-बलात्कार

NEET छात्रा की मौत को लेकर पटना में प्रदर्शन कर रही महिलाओं पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया है। AISA और APWA की महिला कार्यकर्ता गांधी मैदान से विधानसभा घेरने निकली थीं। करीब 2 घंटे चले प्रदर्शन को पुलिस ने डाकबंगला चौराहे पर रोका। यहां महिलाएं सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रही थीं। 'सरकारी नारा बेटी बचाओ, सरकारी मंशा बलात्कारी बचाओ।' 'NDA की ये सरकार नहीं चलेगी अबकी बार, JDU की ये सरकार नहीं चलेगी अबकी बार।' इससे पहले DSP कृष्ण मुरारी बैरिकेडिंग को तोड़ने से रोकने के लिए खड़े दिखाई दिए। उन्होंने महिलाओं को समझाया कि वे लौट जाए। महिलाएं बैरिकैडिंग तोड़कर आगे बढ़ना चाह रही थीं। पुलिस ने वाटर कैनन की गाड़ी बुलाई थी। इससे पहले गांधी मैदान से निकली महिलाओं को पुलिस ने जेपी गोलबंर पर बैरिकेडिंग कर के रोका था। महिलाएं पुलिस से भिड़ गईं। बैरिकेडिंग तोड़कर डाकबंगला की ओर बढ़ गईं। ये मार्च राज्य में महिलाओं, छात्राओं और बच्चियों के खिलाफ बढ़ती हिंसा और प्रशासनिक संरक्षण में हो रहे अपराधों के खिलाफ है। दरअसल 'बेटी बचाओ न्याय यात्रा' की शुरुआत 4 फरवरी से जहानाबाद से की गई, जिसका समापन सोमवार को पटना में हुआ। यात्रा NEET स्टूडेंट के गांव से शुरू होकर नालंदा, नवादा, गया और अरवल से होते हुए सोमवार को पटना पहुंची थी।

सरकार में बलात्कारियों का मनोबल बढ़ा: AIPWA की महासचिव मीना तिवारी ने कहा, हमने 4 फरवरी से बेटी बचाओ न्याय यात्रा की शुरुआत की थी। इस दौरान लोगों का काफी गुस्सा हमें सरकार के प्रति देखने को मिला। अभी सरकार आए 3 महीने भी नहीं हुए हैं और अपराधी, बलात्कारी का मनोबल बढ़ गया है। हमारी मांग है कि CBI की जांच कोर्ट की निगरानी में हो।

चुनाव के बाद बिहार में छात्राओं, कामकाजी महिलाओं और बच्चियों के खिलाफ हिंसा में चिंताजनक वृद्धि हुई है, जो राज्य की कानून-व्यवस्था और महिला सुरक्षा तंत्र की गंभीर विफलता को उजागर करती है।

पटना के शंभू गर्ल्स हॉस्टल और परफेक्ट गर्ल्स हॉस्टल से जुड़े मामलों पर पुलिस-प्रशासन ने परिजनों को ही निशाना बनाया। परिजनों पर दबाव, बयान बदलवाने की कोशिश, CCTV फुटेज छिपाना, फॉरेंसिक जांच से बचना और मीडिया पर दबाव बनाना यह दर्शाता है कि राज्य तंत्र सच्चाई को दबाने में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। जन दबाव के बाद CBI जांच की अनुशंसा हुई है, लेकिन न्याय के लिए सुप्रीम कोर्ट के सीटिंग जज की निगरानी में जांच कराना जरूरी है।

पप्पू यादव को बेल लेकिन जेल में ही रहेंगे

- जज के सामने फूट-फूटकर रोने लगे सांसद
- बोले- हुजूर इंजेक्शन देकर ये लोग हत्या कर देंगे

एजेंसी, पटना

पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव को मंगलवार को MP-MLA कोर्ट से 31 साल पुराने मामले में जमानत मिल गई। हालांकि, वे फिलहाल जेल में ही रहेंगे। बताया जा रहा है कि कोतवाली थाना और बुद्धा कॉलोनी थाना से जुड़े मामलों में पप्पू यादव को अभी जमानत नहीं मिली है। इन मामलों में बुधवार को सुनवाई होगी। तब तक पप्पू यादव पटना के बेऊर जेल में ही रहेंगे। सुनवाई के दौरान पप्पू यादव ने जज के सामने पटना पुलिस पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाया। अपनी बात रखते समय वे भावुक हो गए और फूट-फूटकर रोने लगे। पप्पू यादव ने दावा किया कि बेऊर जेल के अंदर उन्हें किसी तरह का इंजेक्शन देकर जान से मारने की साजिश रची जा रही है। सांसद ने जज से गुहार लगाते हुए कहा कि उन्हें पटना पुलिस पर भरोसा नहीं है। जमानत पर सुनवाई के लिए पप्पू यादव करीब 12:30 बजे बेऊर जेल से कोर्ट पहुंचे थे। दोपहर 2 बजे जमानत याचिका पर सुनवाई शुरू हुई। इस दौरान वे कोर्ट में व्हीलचेयर पर बैठे नजर आए। 3 बजे वे वापस जेल चले गए।

इन दोनों केस में रिमांड पर हैं पप्पू यादव:

बुद्धा कॉलोनी केस: 6 जनवरी की रात पुलिस पप्पू यादव को गिरफ्तार करने पहुंची थी तो उनके समर्थकों ने विरोध किया था। पुलिसकर्मियों के साथ बहस हुई थी। इसे लेकर बुद्धा कॉलोनी थाने में सरकारी काम में बाधा डालने का केस दर्ज किया गया था।

कोतवाली थाना केस: 27 मार्च 2017 को पप्पू यादव ने अपनी पार्टी जन अधिकार पार्टी (JAP-L) के बैनर तले बिहार में बिजली टैरिफ में भारी बढ़ोतरी और BSSC पेपर लीक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

पटना- 32 लाख कैश के साथ दो युवक पकड़ाए

एजेंसी, पटना

- निजी कंपनी का पैसा बैंक में जमा करने जा रहे थे, पुलिस ने रोका

पटना सिटी के मुंगलपुरा में पुलिस ने मंगलवार को दो युवकों के पास से 32 लाख रुपए बरामद किए हैं। ये युवक एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर जा रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें रोका। पुलिस को देखकर युवकों ने भागने का प्रयास किया, जिसके बाद उन्हें रोककर उनके बैग की तलाशी ली गई। बैग से 500 रुपए के नोटों में 32 लाख रुपए मिले। युवकों ने बताया कि यह पैसा वर्धमान की एक कंपनी का है, जिसे वे पटना के एक बैंक में जमा करने जा रहे थे।

आयकर विभाग को दी सूचना: युवकों के जवाब पर पुलिस को संदेह हुआ। इसके बाद उन्हें थाने ले जाकर गहन पूछताछ शुरू की गई है। पुलिस ने इस मामले में आयकर विभाग को भी सूचना दी है। पटना सिटी के पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी डॉ. गौरव कुमार ने बताया कि मुंगलपुरा चौकी के पास से गुजरते समय पुलिस ने युवकों को रोका था।

सुनील सिंह बोले-टपोरी मंत्री ने मुझे सदन में गालियां दीं

एजेंसी, पटना

- अशोक चौधरी के साथ तीखी बहस, विधान परिषद में हंगामा, विपक्षी एमएलसी एक दिन के लिए सस्पेंड

लंच ब्रेक के बाद विधानसभा में पथ निर्माण विभाग के बजट पर चर्चा हुई। राजद विधायक सुरेंद्र राम ने तेजस्वी यादव को नौकरी मैन ऑफ द बिहार की उपाधि दी। इधर, बिहार विधान परिषद में मंगलवार को भी जमकर हंगाामा हुआ। कल हए विवाद पर राजद के MLC ने सवाल उठाए। जिसके बाद पक्ष-विपक्ष के MLC में बहस हुई। राजद MLC बेल में आकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। हंगामे को देखते हुए सभापति अवधेश नारायण सिंह ने विपक्ष के MLC को पूरे दिन की कार्यवाही के लिए सदन से बाहर कर दिया। सभापति ने सदन में मार्शल को भी बुलाया, ताकि MLC को बाहर किया जा सके। इस दौरान अशोक चौधरी और सुनील सिंह के बीच तीखी बहस हुई। अशोक चौधरी ने सुनील सिंह से कहा, 'तुम क्या हो।' वहीं सुनील सिंह ने बेल में आकर, 'अशोक चौधरी होश में आओ' के नारे लगाए। दोनों ओर से औकात दिखाने देने तक की बातें हुईं। सुनील सिंह ने अशोक चौधरी को टपोरी कहा। उन्होंने कहा, 'टपोरी मंत्री ने मुझे गालियां दीं। प्रोसिडिंग के पेपर से मुझे मारने की कोशिश की गई।' वहीं उद्योग मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा, 'राजद सदस्य ने लोकतंत्र के मंदिर में दलित मंत्री को गाली दी है। वीडियो फुटेज देखकर कार्रवाई हो और वो माफी मांगे।' इसपर सभापति ने कहा, 'इस पर हमने संज्ञान लिया है। सुप्रीम कोर्ट का जो निर्णय है, उस पर भी विचार होगा।' बीजेपी अध्यक्ष बनने के बाद बांकीपुर विधायक नितिन नवीन पहली बार विधानसभा पहुंचे। एनडीए विधायकों ने उनका स्वागत किया। विधानसभा में उनके आते ही भारत माता जय के नारे लगे। स्पीकर समेत सदन के सदस्यों ने उनका स्वागत करते हुए उन्हें बधाई दी। इधर, बजट सत्र के छठे दिन भी विपक्ष लॉ-एंड-ऑर्डर पर सरकार को घेरने की कोशिश दिखी। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष के विधायकों ने हंगामा शुरू कर दिया।

महिला अपराध पर विपक्ष का वॉकआउट: माले के विधायक संदीप सौरभ ने कहा, विपक्ष एकजुट होकर कार्य स्थगन प्रस्ताव विधानसभा में लाया है। हम सभी चाहते हैं कि सभी मुद्दों को दरकिनार कर महिला उत्पीड़न के मामले पर चर्चा कराई जाए। हंगामे को देखते हुए स्पीकर ने मार्शल को बुलाया है, और पोस्टर हटाने को कहा। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा, आपलोगों को मौका मिलेगा शून्यकाल में मुद्दे को उठाइएगा। इधर, संसदीय कार्य मंत्री विजय चौधरी सदन में खड़े हुए। उन्होंने कहा, 'विपक्ष नारे लगा रहा है कि सीएम जवाब दें। लेकिन इसकी एक प्रक्रिया है। विपक्ष तय नियमावली के तहत सवाल उठाए। सरकार जब देने के लिए तैयार है।' हंगामे के बाद विपक्ष के विधायकों ने सदन से वॉक आउट किया।

उलझन में हैं विपक्ष के विधायक: विजय चौधरी: संसदीय कार्य मंत्री विजय चौधरी ने कहा, 'विपक्ष के साथी उलझन की स्थिति में हैं। वे सरकार से जवाब की मांग रहे थे। हमने अनुरोध किया, आपने अनुरोध किया। सरकार किसी भी मामले में जवाब देने के लिए तैयार है। कई मिनटों पर बैठने के बाद पता नहीं उन्हें क्या सूझा कि अचानक से उठ कर चले गए। जब बैठ गए तो क्यों चले गए।

नितिन नवीन ने मंदिरी सड़क का किया निरीक्षण

एजेंसी, पटना

- डिप्टी सीएम भी रहे साथ सदन की कार्यवाही में भी राष्ट्रीय अध्यक्ष हुए शामिल

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने मंगलवार को मंदिरी नाले पर बन रही सड़क का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ डिप्टी सीएम विजय सिन्हा भी मौजूद रहे। इस दौरान सड़क निर्माण से संबंधित जानकारियां अधिकारियों ने दी। इससे पहले बीजेपी अध्यक्ष बनने के बाद बांकीपुर विधायक नितिन नवीन पहली बार विधानसभा पहुंचे। एनडीए विधायकों ने उनका स्वागत किया। विधानसभा में उनके आते ही भारत माता जय के नारे लगे। स्पीकर समेत सदन के सदस्यों ने उनका स्वागत करते हुए उन्हें बधाई दी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार पटना आगमन: राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नवीन सोमवार को पहली बार पटना पहुंचे थे। बापू सभागार में उनका भव्य स्वागत किया गया था। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने 'जोड़ी मोदी-नीतीश जी के हिट होई' गाने पर गमछा लहराकर उनका स्वागत किया था। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि जो पार्टियां केवल खुद से शुरू होकर खुद पर ही खत्म हो जाती हैं, वे देश और बिहार का भविष्य उज्ज्वल नहीं बना सकतीं। उन्होंने कहा कि राजनीति से पहले सामाजिक बनना जरूरी है और लोगों से जुड़कर काम करना होगा।

नेशन फर्स्ट की सोच के साथ काम करने पर जोर: नितिन नवीन ने कहा था कि कार्यकर्ताओं को जनता का विश्वास जीतना होगा। बीजेपी 'नेशन फर्स्ट, पार्टी नेक्स्ट और सेल्फ लास्ट' की सोच के साथ काम करती है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार की जनता का आभार जताते हुए 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को दोहराया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में बिहार सरकार की अहम भूमिका होगी।

बंगाल चुनाव पर भी फोकस: बिहार में बड़े स्तर पर कार्यक्रम के आयोजन को पश्चिम बंगाल चुनाव से भी जोड़कर देखा जा रहा है। बिहार से बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और नेताओं को बंगाल भेजने की तैयारी है। 2021 में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने 294 सीटों में से 77 सीटें जीती थीं।

हाजीपुर होटल के पास संदिग्ध हालत में मिला शव, पोस्टमार्टम हुआ

- 72 घंटे पहचान के लिए रखा गया, पुलिस जांच में जुटी

एजेंसी, हाजीपुर

हाजीपुर सदर अस्पताल में एक अज्ञात व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम के बाद पहचान के लिए रखा गया है। यह शव सराय थाना क्षेत्र के एक निजी होटल के पास संदिग्ध परिस्थितियों में मिला था। सराय थाने की पुलिस को सूचना मिली कि एक निजी होटल के पास अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा है। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल ले आई।

72 घंटे तक पहचान के लिए अस्पताल में रखा जाएगा: सदर अस्पताल में अज्ञात शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। नियमानुसार, शव को अगले 72 घंटे तक पहचान के लिए अस्पताल में रखा जाएगा। पुलिस ने अज्ञात शव की पहचान के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

एसकेएमवी कॉलेज में छात्रवृत्ति रुकने पर छात्रों का हंगामा, तकनीकी खामी बनी वजह

एजेंसी, पटना

- बीईओ ने दी जानकारी, रुकी हुई राशि तुरंत देने की मांग

पटना के फतुहा स्थित एसकेएमवी कॉलेज में मंगलवार को स्नातक के छात्र-छात्राओं ने छात्रवृत्ति की राशि रुकने को लेकर जमकर बवाल काटा। आक्रोशित छात्रों ने कॉलेज प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और परिसर में घंटों हंगामा किया। स्थिति इतनी तनावपूर्ण हो गई कि कॉलेज कर्मियों को बीच-बचाव करना पड़ा और काफी मशक्कत के बाद छात्रों को समझा-बुझाकर शांत कराया गया। छात्रों का मुख्य आरोप था कि उनकी वैध छात्रवृत्ति की राशि जानबूझकर रोकी गई है, जिससे उनकी आगे की पढ़ाई और आर्थिक स्थिति पर बुरा असर पड़ रहा है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि स्नातक के कई छात्रों के खाते में छात्रवृत्ति की राशि नहीं पहुंची थी। प्रदर्शन कर रहे छात्रों के बीच यह चर्चा फैल गई कि पूर्व में जब कॉलेज बंद था, तब प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी (BEO) ने वहां का औचक निरीक्षण किया था। छात्रों को लगा कि बीईओ द्वारा भेजी गई प्रतिकूल रिपोर्ट के आधार पर ही उनकी छात्रवृत्ति रोकी गई है।

रुकी हुई राशि का भुगतान करने की मांग: इसी आक्रोश में छात्र कॉलेज परिसर से निकलकर सीधे प्रखंड मुख्यालय स्थित बीआरसी भवन पहुंच गए और वहां भी विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। छात्रों की मांग थी कि उनकी रुकी हुई राशि का भुगतान अविलंब सुनिश्चित किया जाए। इस पूरे मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सुजीत कुमार ने स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने बताया कि यह समस्या किसी निरीक्षण की रिपोर्ट के कारण नहीं, बल्कि कॉलेज के आंतरिक प्रशासनिक कलह की वजह से उत्पन्न हुई है। दरअसल, पूर्व में कॉलेज के दो प्राचार्यों के बीच चल रहे विवाद के दौरान पूर्व प्राचार्य द्वारा सिस्टम कोड में 'एरर' लगवा दिया गया था। इसी तकनीकी गड़बड़ी के कारण डेटा वेरिफिकेशन की प्रक्रिया बाधित हुई और छात्रों की राशि अटक गई। बीईओ ने आगे बताया कि अब नए प्राचार्य ने उस एरर को हटवा दिया है और जल्द ही पोर्टल अपडेट हो जाएगा। उन्होंने छात्रों को आश्वासन दिया कि तकनीकी सुधार के बाद छात्रवृत्ति की राशि जल्द ही उनके खातों में भेज दी जाएगी। इस आश्वासन के बाद छात्र शांत हुए और मामला सुलझ सका।

कांग्रेस को मजबूत करने के लिए कृष्णा अल्लावरू का निर्देश

- कमेटी ऑब्जर्वर्स का 17 फरवरी से क्षेत्रीय दौरा, 6 मार्च को सौंपेंगे रिपोर्ट, संगठन सृजन अभियान चलेगा

एजेंसी, पटना

बिहार में कांग्रेस को मजबूत करने के लिए पार्टी द्वारा संगठन सृजन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के लिए बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ऑब्जर्वर्स के लिए कार्यक्रम के साथ निर्देश जारी किया है। 16 फरवरी को सदाकत आश्रम में सुबह 10:30 बजे से PCC ऑब्जर्वर्स को ट्रेनिंग दी जाएगी। 17 फरवरी को उन्हें आवंटित जिलों में रिपोर्ट करना होगा। फिर 17 फरवरी से 1 मार्च तक सभी ऑब्जर्वर्स को क्षेत्रीय दौरा करना होगा। इसमें कम से कम 7 दिन का दौरा और जिले के प्रत्येक ब्लॉक का दौरा करना जरूरी है। 6 मार्च को सभी ऑब्जर्वर्स को अंतिम रिपोर्ट जमा करनी है।

क्षेत्र दौरे में करनी है कई एक्टिविटी: इसके साथ ही क्षेत्र दौरे के दौरान कई एक्टिविटी भी करनी है। जिला मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस करनी है, जिला स्तरीय नेताओं/कार्यकर्ताओं की बैठक होगी, विधानसभा और ब्लॉक स्तरीय नेताओं/कार्यकर्ताओं की बैठक होगी।

संक्षिप्त समाचार

ऑटो एवं ई-रिक्शा चालक संघ ने किया बैठक आगामी 12 फरवरी को देशव्यापी हड़ताल पर चर्चा

बीएनएम @ मोतिहारी। जिला ऑटो एवं ई-रिक्शा चालक संघ, पूर्वी चंपारण की बैठक मंगलवार को शहर के बलुआ चौक पर आयोजित की गई। इस बैठक में विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। वहीं जिला अध्यक्ष संजय गुप्ता ने आगामी 12 फरवरी को होने वाली देशव्यापी हड़ताल को सफल बनाने के लिए सभी चालकों को विस्तार से जानकारी दी और पूर्वी चंपारण जिले में संपूर्ण ऑटो एवं ई-रिक्शा बंद रखने की अपील की। साथ ही इंटर परीक्षा देने वाले छात्र-छात्राओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए उन्हें बाधित न करने का संवेदनशील निर्णय लिया गया। यह भी निर्णय हुआ कि हड़ताल पूरी तरह शांतिपूर्ण तरीके से की जाएगी। बैठक में उपाध्यक्ष प्रदीप साहनी, संगठन मंत्री हमराज हाशमी, सह सचिव फिरोज आलम, पवन ठाकुर, अशोक तिवारी, प्रमोद राम सहित अन्य सैकड़ों चालक उपस्थित रहे।

सोखता में डूबने से हुई मौत के मामले में प्राथमिकी दर्ज

बीएनएम@मोतिहारी। जिले के आदापुर थाना क्षेत्र के लालाछापरा गांव में दो दिनों पूर्व एक ढाई वर्षीय बालक की सोखता में डूबकर हुई मौत मामले में एसपी के निर्देश पर आदापुर थाना में एफआईआर दर्ज हुआ है। इस संदर्भ में थानाध्यक्ष पप्पू कुमार पासवान ने बताया कि सड़क किनारे गृह स्वामी नथुनी मियां के द्वारा बनाए गए सोखता का मुंह नहीं ढके होने के कारण यह घटना घटित हुई थी। जबकि इस संदर्भ में कोर्ट का स्पष्ट आदेश है कि सड़क को अतिक्रमण करके इस तरह से अवैध सोखता का निर्माण नहीं करना है। थानाध्यक्ष ने यह भी बताया कि अगर उक्त सोखता निर्माण में अगर सरकारी राशि का दुरुपयोग हुआ होगा तो फिर जांच में वैसे जिम्मेदार भी सवालों के घेरे में आयेंगे, जिन्होंने इस तरह के निर्माण कार्य कराया है। फिलहाल गृह स्वामी को आरोपित करते हुए कांड दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है। बतादें कि कई ऐसे जगहों पर पंचायत प्रतिनिधियों के द्वारा सोखता निर्माण के लिए गढ्ढे खोदकर खानापूर्ति करते हुए और सरकारी राशि का बंदरबांट किया गया है। बताया गया कि मृतक गांव निवासी सूरज यादव के पुत्र संदेश कुमार के रूप में की गई थी। घटना के संदर्भ में परिजनों ने बताया कि उसका बच्चा हर दिन की तरह शनिवार को दरवाजे पर खेल रहा था। वहीं शाम को सूचना मिली कि उसके बगल के पड़ोसी नथुनी मियां के दरवाजे पर बने पानी के सोखता में डूबकर उपला रहा था। स्थानीय लोग सोखता से उसे बाहर निकाले तो उसकी मौत हो चुकी थी। तत्पश्चात आदापुर थानाध्यक्ष पप्पू कुमार पासवान ने तुरंत मौके पर पहुंच शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया।

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक और निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस ने "स्वस्थ जीवन कवच" योजना शुरू की

बीएनएम @ मोतिहारी। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (IPPB) और निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस के संयुक्त सहयोग से आम नागरिकों के लिए "स्वस्थ जीवन कवच" इंडेम्निटी हेल्थ इंश्योरेंस प्लान का शुभारंभ किया गया है। इस पहल का उद्देश्य विशेष रूप से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक किफायती और सुलभ स्वास्थ्य बीमा सुविधा पहुंचाना है। इस योजना के तहत 2 लाख का बेस हेल्थ कवर मात्र 1,699 वार्षिक प्रीमियम पर उपलब्ध कराया गया है, जबकि 15 लाख का सुपर टॉप-अप कवर 899 प्रति वर्ष में मिलेगा। इस प्रकार लाभार्थी 2,598 वार्षिक प्रीमियम में 17 लाख तक का स्वास्थ्य बीमा कवर प्राप्त कर सकते हैं, जो औसतन लगभग 7 प्रतिदिन की लागत के बराबर है। योजना के अंतर्गत अस्पताल में भर्ती से संबंधित खर्चों का कवरेज, भर्ती से 30 दिन पूर्व और 60 दिन बाद तक के चिकित्सा खर्च, प्रति भर्ती 1,000 एम्बुलेंस सुविधा, ई-कवर और आधुनिक उपचार पद्धतियों का लाभ शामिल है। देशभर में 12,000 से अधिक नेटवर्क अस्पतालों में कैशलेस उपचार की सुविधा उपलब्ध होगी, जिनमें बिहार के 90 से अधिक अस्पताल शामिल हैं।

"25% हक़ की लड़ाई और निजी स्कूलों का सचः अभिभावकों की जेब पर डाका, शिक्षकों की 'साइलेंट' पीड़ा"

सागर सूरज

कॉर्पोरेट शिक्षा के बाजार मे शिक्षकों की पीड़ा और अभिभावकों का दोहन नीलहे अंग्रेजों के द्वारा किसानों की शोषण को चम्पारण मे फिर से याद दिलाने के कार्य कर रही है।

मोतिहारीः निजी शिक्षा व्यवस्था का विरोधाभास अब खुलकर सामने आने लगा है। एक ओर अखिल भारतीय परिवर्तनकारी अभिभावक संघ निजी स्कूलों में 25 प्रतिशत आरक्षित सीटों को लेकर जागरूकता अभियान चलाने की घोषणा कर रहा है, वहीं दूसरी ओर वही ज़िलें की निजी स्कूल-अभिभावकों और शिक्षकों—दोनों के शोषण की कहानी लिख रहे हैं। शिक्षा का अधिकार कानून (RTE) के तहत गरीब बच्चों को निशुल्क शिक्षा देने का प्रावधान कागजों में जिंदा है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट नजर आती है।

अभिभावक संघ की बैठक में यह साफ किया गया कि आरटीई के अनुसार सभी निजी स्कूलों में 25 प्रतिशत सीटों पर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को मुफ्त पढ़ाया जाना अनिवार्य है। जानकारी के अभाव में अधिकांश अभिभावक इस अधिकार से वंचित रह जाते हैं। इसी को लेकर संघ ने जागरूकता अभियान चलाने और नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से लोगों को उनके अधिकार बताने का निर्णय लिया है। जानदीप पोर्टल पर 15 फरवरी तक ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया भी इसी कड़ी का हिस्सा है।

लेकिन सवाल यह है कि जो स्कूल गरीब बच्चों को मुफ्त शिक्षा देने से बचते हैं, वे बाकी अभिभावकों से कैसे पेश आते हैं? अभिभावकों का आरोप है कि निजी स्कूल किताब, यूनिफॉर्म और अन्य सामग्री तय दुकानों से खरीदने को मजबूर करते हैं। 'डेवलपमेंट फीस', 'री-एडमिशन चार्ज' जैसे नामों पर हर साल नई वसूली की जाती है। कई परिवार बच्चों की पढ़ाई के लिए कर्ज लेने को मजबूर हैं।

इस शोषण की मार सिर्फ अभिभावकों तक सीमित नहीं है। निजी स्कूलों के शिक्षक भी इसी व्यवस्था के सबसे कमजोर कड़ी बन चुके हैं। कम वेतन, तय समय से अधिक काम, छुट्टियों में बुलावा, देर शाम तक बैठाए रखना और अनगिनत कॉपियों की जांच—यह उनकी रोजमर्रा की सच्चाई है। न श्रम कानून लागू, न सम्मानजनक वेतन। कई शिक्षक बताते हैं कि वे पढ़ाते तो बच्चों का भविष्य संवारने के लिए हैं, लेकिन खुद का भविष्य अंधेरे में जा रहा है।

स्थिति तब और भयावह हो जाती है जब आरोप लगते हैं कि कई निजी शिक्षण संस्थानों के पीछे संगठित शिक्षा माफिया सक्रिय हैं। यही माफिया आरटीई के 25 प्रतिशत प्रावधान को कागजों में दबा देते हैं और बाहर से शिक्षा को महंगा बनाकर मुनाफा कमाते हैं।

आज मोतिहारी में सवाल साफ है—जब 25 प्रतिशत गरीब बच्चों के अधिकार के लिए सड़क पर उतरना पड़ रहा है, तो बाकी 75 प्रतिशत बच्चों और उन्हें पढ़ाने वाले शिक्षकों के शोषण का हिसाब कौन लेगा? कॉर्पोरेट शिक्षा के बाजार मे शिक्षकों की पीड़ा और अभिभावकों का दोहन नीलहे अंग्रेजों के द्वारा किसानों की शोषण को चम्पारण मे फिर से याद दिलाने के कार्य कर रही है।

आवाज उठाने पर सांसद पप्पू यादव की गिरफ्तारी लोकतंत्र पर हमला, विरोध में फूंका मुख्यमंत्री का पुतला

बीएनएम @ मोतिहारी

सांसद पप्पू यादव की गिरफ्तारी के खिलाफ युवा शक्ति के सदस्यों और स्थानीय युवाओं ने विरोध प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने "नीट छात्रा को न्याय दो", "पप्पू यादव को रिहा करो", "लोकतंत्र का अपमान नहीं सहेगा बिहार", "अपराधियों को संरक्षण बंद करो" जैसे नारे लगाए। इस अवसर पर युवा शक्ति के सदस्यों ने कहा कि पटना में नीट की छात्रा की जघन्य हत्या ने पूरे देश को झकझोर कर रखा है। इस अमानवीय अपराध के खिलाफ न्याय की मांग और आरोपित की गिरफ्तारी के लिए सड़क से लेकर संसद तक संघर्षरत पूर्णिया के निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव की गिरफ्तारी एक साजिश है, जिसका उद्देश्य उनकी आवाज को दबाना है। जन अधिकार पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष पवन कुमार सिंह ने कहा कि यह लोकतंत्र पर गंभीर सवाल उठाता है। एक जनप्रतिनिधि का पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए आवाज उठाना उसका संवैधानिक और नैतिक कर्तव्य है। इसके बावजूद बिहार सरकार के इशारे पर आधी रात में उनकी गिरफ्तारी निंदनीय है। श्री सिंह ने सरकार व पुलिस प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पप्पू यादव एक बेटी को न्याय दिलाने के लिए ईमानदारी से संघर्ष कर रहे। एक लोकसभा सदस्य को जिस प्रकार आधी रात में पुलिस बल के जरिए गिरफ्तार किया गया, वह संसदीय मर्यादा और जनादेश का अपमान है। भाजपा सरकार कानून का दुरुपयोग कर एक जन नेता को फंसाने का प्रयास कर रही है। श्री गुप्ता ने चेतावनी दी कि यदि न्याय नहीं मिला तो पूर्णिया सहित पूरे बिहार में बड़ा आंदोलन शुरू किया जाएगा। जनहित और न्याय की आवाज दबाने की कोशिश जनता कभी स्वीकार नहीं करेगी। वहीं पूर्व जिला पार्षद मोख्तार प्रसाद गुप्ता ने बिहार सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार एक ओर महिलाओं की सुरक्षा के बड़े-बड़े दावे करती है, वहीं दूसरी और नीट छात्रा के साथ जघन्य अपराध होने पर न्याय की मांग करने वालों को दबाने में जुटी है। यह गिरफ्तारी केवल एक व्यक्ति के खिलाफ नहीं, बल्कि जन आवाज के खिलाफ की गई कार्रवाई है। उक्त विरोध प्रदर्शन एवं पुतला दहन में नूरैन आलम, मो. हयुल, शाबाज कमर, रंजीत कुमार, सुभाष कुमार, विराज यादव, रोहित सक्या, दीपक कुमार, धरेन्द्र कुमार, सर्वजीत राम सहित अन्य शामिल रहे।

बिजली के शॉर्ट सर्किट से लगी आग, फर्नीचर दुकान सहित पांच दुकानें जलकर राख

» फर्नीचर व कपड़ा सहित 50 लाख से अधिक का नुकसान का अनुमान

बीएनएम @ मोतिहारी

जिला के मेहसी थाना क्षेत्र अंतर्गत स्टेट बैंक के सामने, घरियारी चक वार्ड संख्या–3 में बीती रात अचानक भीषण आग लगने से दो फर्नीचर दुकान, एक रेडीमेड कपड़ा दुकान, एक पान दुकान एवं एक मिठाई दुकान सहित कुल पांच दुकानें जलकर पूरी तरह राख हो गई। इस अगलगी की घटना में लगभग 50 लाख रुपये से अधिक के नुकसान का अनुमान लगाया गया है। घटना बीती रात करीब 12:30 बजे की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार सभी दुकानदार अपनी-अपनी दुकानें बंद कर घर चले गए थे। करीब 12:45 बजे दुकानों के बगल में रहने वाले लोगों ने आग की लपटें देखीं और तत्काल दुकानदारों को सूचना दी। जब तक दुकानदार मौके पर पहुँचे, तब तक सभी दुकानें धू-धू कर जल रही थीं। सूचना मिलने पर अग्निशामक गाड़ी मौके पर पहुँची और स्थानीय लोगों के सहयोग से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक दुकानों में रखा सारा सामान जलकर खाक हो चुका था। पीड़ित दुकानदारों ने बताया कि कसबा मेहसी निवासी मो. अफरोज की फर्नीचर दुकान में लगभग 18 लाख रुपये का तैयार फर्नीचर व लकड़ी जलकर राख हो गई। कसबा मेहसी गढ़ही निवासी मो. तारिक ने बताया कि उनकी दुकान में तैयार फर्नीचर के साथ एक बाइक, जनरेटर, पॉलिश मशीन समेत लगभग 30 लाख रुपये का सामान जल गया। कसबा मेहसी सराय निवासी पप्पू ने बताया कि उनकी रेडीमेड कपड़ा दुकान में दो लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। मंजन छपरा गांव निवासी हेमंत राम की मिठाई दुकान में रखे सामान, जिसकी कीमत लगभग 80 हजार रुपये थी, वह पूरी तरह जलकर नष्ट हो गया। पीड़ित दुकानदारों ने बताया कि वे सभी मध्यमवर्गीय परिवार से आते हैं और 10–15 वर्षों की दिन-रात की मेहनत से जमा की गई पूंजी एक ही रात में खाक में तब्दील हो गई। आग लगने के स्पष्ट कारणों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है, हालांकि स्थानीय लोगों का कहना है कि आग बिजली के शॉर्ट सर्किट से लगी हो सकती है। पुलिस व अग्निशमन विभाग द्वारा मामले की जाँच की जा रही है।

नगर क्षेत्र में ट्रैफिक समस्या के समाधान को लेकर जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने की उच्चस्तरीय बैठक

बीएनएम @ मोतिहारी

नगर क्षेत्र में लगातार बढ़ रही ट्रैफिक जाम की समस्या एवं विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मंगलवार को नगर के रोइंन क्लब स्थित ट्रैफिक डीएसपी कार्यालय कक्ष में एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने संयुक्त रूप से की। इस बैठक में नगर आयुक्त, नगर निगम मोतिहारी, प्रशिक्षु आईपीएस हेमंत कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी मोतिहारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मोतिहारी, ट्रैफिक डीएसपी तथा टाउन थाना, छतौनी थाना, रघुनाथपुर थाना एवं बंजरिया थाना के थाना प्रभारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान शहर को ट्रैफिक जाम से मुक्ति दिलाने एवं यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि ऑटो चालक संघ के साथ बैठक आयोजित कर ठोस निर्णय लिए जाएं, जिससे यातायात व्यवस्था बेहतर हो सके। साथ ही नगर निगम को अपने स्तर से वैकल्पिक उपायों की तलाश कर शीघ्र कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया गया। इसके अतिरिक्त, मादक पदार्थों के सेवन के विरुद्ध सघन अभियान चलाने एवं विधि-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए विशेष छापामारी दल के गठन का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि मादक पदार्थों का दुरुपयोग युवाओं को भटकाव की ओर ले जा रहा है, जिसे रोकना अत्यंत आवश्यक है। आम जनता से प्राप्त फीडबैक के आधार पर ऐसे स्थलों को चिन्हित कर लगातार छापेमारी सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने मिलावटी खाद्य पदार्थों के विरुद्ध भी सख्त अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि होटल, लॉज, हॉस्टल सहित अन्य ठहराव स्थलों की नियमित जांच की जाए तथा अनियमितता पाए जाने पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि आमजन की सुविधा, सुरक्षा एवं स्वास्थ्य से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और इन अभियानों को निरंतर एवं प्रभावी रूप से संचालित किया जाएगा।

दस दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

» 35 महिला प्रशिक्षणार्थी ले रहीं हैं निःशुल्क प्रशिक्षण।

बीएनएम @ मोतिहारी @ निरज आनंद

शहर के सदर प्रखंड के समीप सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (सेन्ट आरसेटी), मोतिहारी द्वारा 10 दिवसीय मशरूम उत्पादन आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलवार को सदर प्रखंड स्थित रामसिंह छतौनी पंचायत अंतर्गत हसुआहा गांव में पूर्व वार्ड-5 सदस्य -सह- समाजसेवी मनोज मुखिया के दरवाजे पर किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन अग्रणी जिला प्रबंधक (एल. डी.एम) पूर्वी चम्पारण राजेंद्र कुमार पाण्डेय एवं सेन्ट आरसेटी निदेशक बिपिन कुमार द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बेरोजगार साक्षर महिलाओं के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है। निदेशक बिपिन कुमार द्वारा साक्षात्कार के उपरांत कुल 35 महिला अभ्यर्थियों का चयन किया गया है, जो प्रशिक्षण में भाग ले रही हैं। उद्घाटन अवसर पर बड़ी संख्या में प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहीं। मौके पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) राजेंद्र कुमार पाण्डेय ने कहा कि मशरूम उत्पादन कम लागत में अधिक आय देने वाला स्वरोजगार का एक सशक्त और व्यवहारिक माध्यम है। यह न केवल ग्रामीण युवाओं और किसानों के लिए आर्थिक सशक्तिकरण का रास्ता खोलता है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में भी प्रेरित करता है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि वे प्रशिक्षण के दौरान अर्जित तकनीकी ज्ञान को व्यावहारिक रूप में अपनाएं और उद्यमिता की सोच के साथ आगे बढ़ें। साथ ही आर्थिक रूप से अक्षम अभ्यर्थियों को भविष्य में बैंक ऋण लेकर अपना व्यवसाय प्रारंभ करने की सलाह भी दी। वहीं सेन्ट आरसेटी निदेशक बिपिन कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि यह 10 दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण महिलाओं के लिए आजीविका सृजन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान मशरूम उत्पादन की आधुनिक एवं वैज्ञानिक तकनीक, उच्च गुणवत्ता वाले बीज (स्पॉन) तैयार करने की विधि, उत्पादन प्रबंधन, रोग एवं कीट नियंत्रण, पैकेजिंग तथा विपणन की संपूर्ण और व्यावहारिक जानकारी योग्य एवं अनुभवी मशरूम प्रशिक्षक द्वारा प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि मशरूम की खेती कम स्थान, कम समय और न्यूनतम पूंजी निवेश में की जा सकती है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार और अतिरिक्त आय के नए अवसर सृजित होंगे। निदेशक ने यह भी आश्वासन दिया कि प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रतिभागियों को बैंक ऋण, सरकारी अनुदान एवं विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं से जोड़ने में संस्थान द्वारा हरसंभव सहयोग किया जाएगा। बेहतर अंकों से उत्तीर्ण होने वाले प्रशिक्षुओं को संस्थान की ओर से विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण अवधि के दौरान सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रतिदिन निःशुल्क, सुपाच्य एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रशिक्षण की गुणवत्ता बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया जाता है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अधिकारियों ने सभी प्रशिक्षणार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए सफल प्रशिक्षण हेतु शुभकामनाएं दीं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में योग्य मशरूम प्रशिक्षक सुनील कुमार द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

महापौर ने किया औचक निरीक्षण, सफाई व्यवस्था में अनियमितता उजागर

बीएनएम @ मोतिहारी

नगर निगम मोतिहारी क्षेत्र अंतर्गत वार्ड संख्या- 43 में निगम द्वारा संचालित वृद्धा आश्रम (आश्रय स्थल) का महापौर प्रीति कुमारी द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। उक्त निरीक्षण के दौरान महापौर ने वृद्धा आश्रम में निवासरत वृद्धजनों से संवाद कर उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में आवश्यक जानकारी प्राप्त की। साथ ही वार्ड में नव निर्मित सड़क एवं छठ घाट का भी निरीक्षण किया गया तथा संबंधित कनीय अभियंता से संपर्क कर निर्माणाधीन स्थल पर शिलापट लगाने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए।इसके पश्चात महापौर द्वारा वार्ड संख्या- 43 में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में वार्ड में कार्यरत सफाई कर्मियों की संख्या के अनुरूप हाजिरी पंजी की जांच की गई। जांच के दौरान एजेंसी के हाजिरी पंजी एवं वास्तव में उपस्थित सफाई कर्मियों की संख्या में गंभीर असमानता पाई गई। निगम द्वारा वार्ड में कुल 16 सफाई कर्मियों की नियुक्ति की गई है, किंतु निरीक्षण के दौरान यह पुष्टि हुई कि संबंधित एजेंसी द्वारा आधे से अधिक संख्या में मुहल्लेवासियों को खड़ा कर उनकी उपस्थिति दर्शाते हुए हाजिरी बनाई जा रही है। इस प्रकार की कार्यप्रणाली अत्यंत चिंताजनक एवं अनुचित है। मामले की गंभीरता को देखते हुए महापौर प्रीति कुमारी द्वारा विस्तृत जांच के आदेश दिए गए हैं। जांच उपरांत दोषी पाए जाने पर संबंधित एजेंसी के विरुद्ध नियमानुसार सख्त एवं उचित कार्रवाई की जाएगी।

डीएम ने दवा खाकर किया सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम का शुभारम्भ

» जिले भर के स्वास्थ्य केंद्रों में खिलाई जा रही है दवा
» हल्के-फुल्के साइड इफेक्ट से घबराने की जरूरत नहीं- सीएस

बीएनएम @ मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने फाइलेरिया से बचाव हेतु जिला सदर अस्पताल परिसर में लगे कैंप में सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने स्वयं दवा का सेवन करते हुए जिले के सभी स्वस्थ्य लोगों को सर्वजन दवा सेवन करने का संदेश दिया। उक्त मौके पर उन्होंने कहा की फाइलेरिया हाथी पाँव एक गंभीर बीमारी है जिससे बचाव हेतु सर्वजन दवा सेवन करना सभी के लिए बहुत जरूरी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही दवाओं का सेवन करें और अपने परिवार तथा आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें। वहीं सीएस डॉ. दिलीप कुमार ने जानकारी देते हुए बताया की जिले भर के सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर दवा उपलब्ध है। आशा घर-घर जाकर लोगों को सामने दवा खिलाएगी, उसके बाद बूथ लगाकर स्कूलों व अन्य जगहों पर दवा उपलब्ध कराई जाएगी।उन्होंने बताया की हल्के-फुल्के साइड इफेक्ट से घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा की दवा खाली पेट नहीं लेनी है। दो वर्ष से कम आयु के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को छोड़कर सभी को दवा दी जाएगी। डीभीडीसीओ डॉ. एस सी शर्मा ने कहा की उप स्वास्थ्य केंद्रों पर भी जनप्रतिनिधि व सीएचओ के द्वारा दवा सेवन कराया जा रहा है। सभी को एक बात समझनी चाहिए की दवा लेने के बाद हल्का बुखार या चक्कर आना सामान्य है। दवा न लेना ही सबसे बड़ा खतरा है, क्योंकि एक संक्रमित व्यक्ति पूरे गांव के लिए जोखिम बन सकता है। मोतिहारी सदर पीएचसी में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. दिलीप शाही के द्वारा लोगों व स्वास्थ्य कर्मियों को सर्वजन दवा सेवन कराया गया। इस अवसर पर डीएस डॉ. एस एन सत्यार्थी, चिकित्सक, डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन, डीसीएम नंदन झा, स्वास्थ्य कर्मी एवं सहयोगी संस्था पिरामल, डब्लूएचओ सहित पीएसआई सिफार प्रतिनिधि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

डीएम ने दवा खाकर किया सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम का शुभारम्भ

- जिले भर के स्वास्थ्य केंद्रों में खिलाई जा रही है दवा
- हल्के-फुल्के साइड इफेक्ट से घबराने की जरूरत नहीं-सीएस

बीएनएम @ मोतिहारी। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने फाइलेरिया से बचाव हेतु जिला सदर अस्पताल परिसर में लगे कैंप में सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने स्वयं दवा का सेवन करते हुए जिले के सभी स्वस्थ्य लोगों को सर्वजन दवा सेवन करने का संदेश दिया। उक्त मौके पर उन्होंने कहा की फाइलेरिया हाथी पाँव एक गंभीर बीमारी है जिससे बचाव हेतु सर्वजन दवा सेवन करना सभी के लिए बहुत जरूरी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही दवाओं का सेवन करें और अपने परिवार तथा आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें। वहीं सीएस डॉ. दिलीप कुमार ने जानकारी देते हुए बताया की जिले भर के सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर दवा उपलब्ध है। आशा घर-घर जाकर लोगों को सामने दवा खिलाएगी, उसके बाद बूथ लगाकर स्कूलों व अन्य जगहों पर दवा उपलब्ध कराई जाएगी।उन्होंने बताया की हल्के-फुल्के साइड इफेक्ट से घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा की दवा खाली पेट नहीं लेनी है। दो वर्ष से कम आयु के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को छोड़कर सभी को दवा दी जाएगी। डीभीडीसीओ डॉ. एस सी शर्मा ने कहा की उप स्वास्थ्य केंद्रों पर भी जनप्रतिनिधि व सीएचओ के द्वारा दवा सेवन कराया जा रहा है। सभी को एक बात समझनी चाहिए की दवा लेने के बाद हल्का बुखार या चक्कर आना सामान्य है। दवा न लेना ही सबसे बड़ा खतरा है, क्योंकि एक संक्रमित व्यक्ति पूरे गांव के लिए जोखिम बन सकता है। मोतिहारी सदर पीएचसी में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. दिलीप शाही के द्वारा लोगों व स्वास्थ्य कर्मियों को सर्वजन दवा सेवन कराया गया। इस अवसर पर डीएस डॉ. एस एन सत्यार्थी, चिकित्सक, डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन, डीसीएम नंदन झा, स्वास्थ्य कर्मी एवं सहयोगी संस्था पिरामल, डब्लूएचओ सहित पीएसआई सिफार प्रतिनिधि मौजूद रहे।

रामगढ़वा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 8.9 किलो गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम @ रामगढ़वा : रामगढ़वा पुलिस ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए कॉपरेटिव कॉलेज रोड स्थित चिमनी भट्ठा के पास से 8.9 किलो गांजा के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया। थानाध्यक्ष राजीव कुमार साह ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने उक्त स्थान पर नाकाबंदी की। इसी दौरान टीवीएस अपाची मोटरसाइकिल (BR05E-9682) पर सवार दो संदिग्ध व्यक्तियों को रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस को देखकर दोनों भागने लगे, लेकिन पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें पकड़ लिया। गिरफ्तार तस्करों की पहचान बेला, रामगढ़वा निवासी अब्दुल कादिर और रवि रंजन कुमार उर्फ रॉकी के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उनके पास से 8.9 किलो गांजा बरामद किया गया। प्रारंभिक पूछताछ में जानकारी मिली है कि दोनों नेपाल से गांजा लेकर आ रहे थे। पुलिस ने बरामद गांजा और मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया है। दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

झंडा चौक पर दर्दनाक हादसा: मोटरसाइकिल ने पैदल जा रहे मनोज कुमार को टक्कर मारी, गुड्डू कुमार भी घायल

बीएनएम @ पताही। थाना क्षेत्र के झंडा चौक पर बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। मोटरसाइकिल सवार गुड्डू कुमार बेला बैजू ने पैदल शौचालय जा रहे मनोज कुमार सिंह पिता स्वर्गीय सुरेन्द्र प्रसाद सिंह पताही निवासी को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पताही लाया गया, जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए मोतिहारी रेफर कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि हादसे की पूरी जांच की जा रही है।दोनों फिलहाल खतरा से बाहर है।

मंगुराहाँ में जदयू को मिली मजबूती, अमित कुमार मिश्रा ने थामा दामन

बीएनएम@ मोतिहारी। मंगुराहाँ पंचायत के मंगुराहाँ गांव में निवर्तमान पैक्स अध्यक्ष अमित कुमार मिश्रा ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ जनता दल यूनाइटेड (जदयू) की सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम जदयू के बिहार प्रदेश सचिव साकेत सिंह के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इस अवसर पर साकेत सिंह ने अमित कुमार मिश्रा और उनके समर्थकों का पार्टी में स्वागत करते हुए कहा कि उनके जुड़ने से संगठन को मजबूती मिलेगी और क्षेत्र के विकास कार्यों को गति मिलेगी।

रोगी हितधारक मंच के सदस्यों के सहयोग से लोगों को खिलाई गई सर्वजन दवा

- मुखिया व जनप्रतिनिधियों ने दवा सेवन कर किया अभियान का शुभारंभ
- सीएचओ के साथ आशा, एएनएम व फाइलेरिया रोगियों ने निभाई मुख्य भूमिका

बीएनएम @ मोतिहारी

फाइलेरिया मुक्त अभियान को जिले में सफल बनाने की दिशा में मंगलवार को चकिया प्रखंड के वाटगंज में सीएचओ अमर चौधरी के नेतृत्व में मुखिया कबीरा खातून के एवं पीएसपी के प्रतिनिधि, एएनएम समेत 23 लोगों ने हाथी पाँव से बचाव की जानकारी देकर ग्राम वासियों को दवा सेवन कराया। वहीँ मधुबन प्रखंड में जितौरा वार्ड नंबर 11 से सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम एमडीए प्रोग्राम की शुरुआत की गई जिसमें उप मुखिया चंदन कुमार एवं हाथी पाँव के मरीजों ने दवा खाई। सीएचओ जितेंद्र कुमार एएनएम, आशा फैसिलिटेटर आशा सेविका ने लोगों को जागरूक किया मौके पर ग्रामीण उपस्थित रहे, खरसाल के मुखिया शिव दुलारी देवी,सीएचओ राहुल कुमार, एएनएम मनीषा कुमारी, रानी कुमारी,नेहा गौतम, ने मरीज अतिबल सहनी व अन्य लोगों को दवा सेवन कराया।वहीँ स्थानीय मध्य विधालय के प्रधान शिक्षक ने बच्चों व आम लोगों को दवा सेवन करने का अनुरोध किया।वहीँ मधुबनी दुबे टोला संग्रामपुर आम पर सर्वजन दवा सेवन का उद्घाटन वार्ड सदस्य द्वारा किया गया। जिसमें सीएचओ प्रदीप सैनी,स्टाफ नर्स,वार्ड मेंबर, आशा तथा पीएसपी सदस्यों की उपस्थिति रही दवा सेवन कार्यक्रम का किया पर्यवेक्षण आयुष्मान आरोग्य मंदिर ईजरा, संग्रामपुर पर सर्वजन दवा सेवन का उद्घाटन मुखिया जितेन्द्र राम द्वारा दवा खाकर किया गया। जिसमें सीएचओ भिखाराम, सरपंच, वार्ड मेंबर, आशा तथा रोगी हित धारक मंच के सदस्यों की उपस्थिति रही।सीएचओ भिखाराम ने पर्यवेक्षण करते हुए वार्ड नंबर 10 ईजरा संग्रामपुर में 110 से ज्यादा लोगों को दवा सेवन कराया। चिरैया प्रखंड के पीएचसी में प्रभारी डॉ श्याम पासवान् के देखरेख में आशा, प्रबंधक जियाउल हक, बीसीएम दीपक कुमार ने दवा सेवन कराया, वहीँ बैधनाथपूर आयुष्मान आरोग्य मंदिर में सीएचओ रानी कुमारी चौरासिया ने एचडब्लूसी को आकर्षक ढंग से सजाया, उनके देखरेख में कई लोगों को दवा सेवन कराया गया, लालबेगिया सेंटीनल साईट में सीएचओ रोहित राज के नेतृत्व में 40 से अधिक लोगों को दवा का महत्व बताते हुए दवा खिलाया गया। वहीँ मधुबनी में फाइसीलिटेटर गीता देवी एवं आशा के ततपरता से घर घर जाकर कई लोगों को दवा सेवन कराया गया। मौके पर चिरैया, संग्रामपुर, मधुबन, चकिया, मोतिहारी प्रभारी ने बताया की सर्वजन दवा सेवन कर ही भविष्य में हम इस खतरनाक बीमारी से सुरक्षित रह सकते है।इसलिए अपने साथ अपने परिवार एवं आस-पास के लोगों को भी दवा खाने के लिए प्रेरित करें।ताकि किसी भी व्यक्ति को फ़ाइलेरिया का अभिशाप नहीं झेलना पड़े।आज के कार्यक्रम में सभी की भागीदारी पर जिले के सिविल सर्जन एवं डीभीडीसीओ ने बधाई देते हुए कहा की आपसभी के सहयोग से ही अभियान की सफलता होगी।और देश समाज सुरक्षित रहेगा। मौके पर जनप्रतिनिधि, सीएचओ-पीएसपी के सदस्य, सहयोगी संस्था के लोग एवं अन्य उपस्थित रहे।

हरसिद्धि थाने में कैदी को रिश्वत लेकर छोड़ने का सनसनीखेज खुलासा

- एसपी स्वर्ण प्रभात की त्वरित कार्रवाई सराहनीय, चालक को भेजा गया जेल

सागर सूरज

मोतिहारी। पूर्वी चम्पारण के हरसिद्धि थाना भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों से घिर गया। कैदी को 15 हजार रुपये लेकर छोड़ने का मामला सुर्खियों में है। जिला एसपी स्वर्ण प्रभात ने तत्काल जांच कराई और थाने के निजी वाहन चालक को जेल भेज दिया।प्रशिक्षु आईपीएस हेमंत कुमार ने जांच रिपोर्ट में चालक की भूमिका संदिग्ध पाई। उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तारी की प्रक्रिया शुरू हो गई। एसपी स्वर्ण प्रभात ने कहा — पुलिस वर्दी में सौदेबाजी बर्दाश्त नहीं होगी। दोषी चाहे कोई भी हो, कानून के हवाले होगा। हरसिद्धि थाने पर सवाल बरकरार। बिना किसी अधिकारी की शह के चालक इतना साहस कैसे जुटा पाया? सूत्रों के अनुसार मामला पहले ही डीआईजी, डीजीपी और एसपी तक पहुंच चुका था। आरोप है कि रिश्वत की मांग थाने के एक अधिकारी ने की। चालक तो बस मोहरा था। स्थानीय लोग कहते हैं—कार्रवाई छोटी मछली तक सीमित न रहे।

एसपी की सराहना – एसपी स्वर्ण प्रभात ने मामले को दबाने के बजाय सामने लाकर साहस दिखाया। जिले में उनकी त्वरित कार्रवाई की भूरि-भूरि प्रशंसा हो रही।

संकट मोचन हनुमान मंदिर जिहुली का वार्षिक उत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ भव्य रूप से संपन्न

बीएनएम @ पताही

प्रखंड क्षेत्र के जिहुली पंचायत स्थित श्री श्री 1008 संकट मोचन हनुमान मंदिर, जिहुली में मंदिर के वार्षिक उत्सव के अवसर पर भव्य हनुमान आराधना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा। हनुमान आराधना कार्यक्रम को सफल बनाने में आयोजन समिति की अहम भूमिका रही। आयोजन समिति में मुंद्रिका सिंह, चंद्रिका सिंह, नीरज कुमार, धीरज कुमार, विकास कुमार, रजनीश कुमार के साथ जिहुली पंचायत के सरपंच रितेश कुमार एवं डॉ. गजेंद्र कुमार की सक्रिय सहभागिता रही। सभी सदस्यों ने मिलकर कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संपन्न कराया। कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत पूजा-अर्चना, हनुमान चालीसा पाठ एवं भजन-कीर्तन से की गई। पूरे आयोजन के दौरान "जय बजरंगबली" के जयकारों से मंदिर परिसर गूंजता रहा। श्रद्धालु भक्ति और आस्था में लीन नजर आए। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि संकट मोचन हनुमान मंदिर का वार्षिक उत्सव हर वर्ष श्रद्धा एवं आपसी सौहार्द के साथ मनाया जाता है। इस अवसर पर क्षेत्र की सुख-शांति, समृद्धि और कल्याण की कामना की गई। समापन के बाद प्रसाद वितरण किया गया, जिसमें अनेकों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर प्रसाद ग्रहण किया। स्थानीय लोगों ने आयोजन समिति की सराहना करते हुए कार्यक्रम को ऐतिहासिक और सफल बताया।

स्टेशनरी दुकान में चल रहा था सूखा नशा का खेल : पुलिस ने किया भंडाफोड़, संचालक गिरफ्तार

- डुमरियाघाट में नशा कारोबार उजागर, रामपुर खजुरिया चौक स्थित स्टेशनरी दुकान से भारी मात्रा में नशीला पदार्थ जब्त
- किताब-कॉपी की दुकान से नशा की सप्लाई, पुलिस कार्रवाई से हड़कंप
- दुकान से स्मोक पेपर, सनफिक्स एडिसिव, कोर इरेज व्हाइटनर
- सूखा नशा पर पुलिस का प्रहार, स्टेशनरी की आड़ में धंधा करने वाला दबोचा गया

बीएनएम@डुमरियाघाट

जिले में सूखा नशा के खिलाफ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान सूखा नशा की सूचना दें और इनाम पाएं अभियान के तहत डुमरियाघाट पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। अभियान के क्रम में एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर केसरिया इंस्पेक्टर निक्कू सिंह के नेतृत्व में पुलिस ने डुमरियाघाट थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर सघन छापेमारी की गई, इसी दौरान रामपुर खजुरिया चौक स्थित स्टेट हाईवे–74 के किनारे एक स्टेशनरी दुकान पर छापेमारी कर भारी मात्रा में नशीले पदार्थों में प्रयुक्त सामग्री बरामद की है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने दुकान से नशा करने में इस्तेमाल होने वाले स्मोक पेपर के 04 पैकेट जिनमें कुल 224 पीस स्मोक पेपर पाए गए। इसके अलावा 50 एमएल का सनफिक्स एडिसिव तीन पैकेट में रखा कुल 48 पीस (ट्यूब), 10 एमएल का सनफिक्स एडिसिव चार पैकेट में रखा कुल 198 पीस (ट्यूब) तथा कोर इरेज व्हाइटनर के 22 पैकेट, प्रत्येक पैकेट में 10 पीस के हिसाब से कुल 220 पीस व्हाइटनर बरामद किया गया। मौके से पुलिस ने दुकान संचालक को हिरासत में ले लिया। पकड़ा गया व्यक्ति लड्डू सिंह उर्फ बलिराम सिंह है जो राजकुमार सिंह का पुत्र बताया जा रहा है। वह डुमरियाघाट थाना क्षेत्र क्षेत्र के रामपुर खजुरिया गांव का निवासी है। पुलिस का मानना है कि स्टेशनरी दुकान की आड़ में सूखा नशा से संबंधित सामग्री की अवैध बिक्री की जा रही थी। छापेमारी और बरामदगी के बाद पुलिस ने सभी नशीली सामग्री को जब्त कर लिया है और आरोपी से पूछताछ की जा रही है। इस कार्रवाई के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना करते हुए नशा कारोबार पर सख्ती से रोक लगाने की मांग की है। इस संबंध में थानाध्यक्ष विवेक कुमार बालेंदु ने बताया कि वरीय अधिकारियों के निर्देश पर मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया की जा रही है। बरामद सामग्री के आधार पर सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में नशा कारोबार किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे अवैध धंधों में लिप्त लोगों के खिलाफ लगातार सख्त अभियान जारी रहेगा।

पताही में एमडीए कार्यक्रम का शुभारंभ, बीडीओ व पीएचसी प्रभारी ने किया उद्घाटन

बीएनएम @ पताही

प्रखंड क्षेत्र में एमडीए (मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन) कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ प्रखंड विकास पदाधिकारी उदय कुमार एवं प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. शंकर बैठा के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इस अवसर पर डॉ. अमजद करीम, प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक राज कुमार, सतीश मिश्रा, सुमन सौरभ और सोनम कुमारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। सभी ने मिलकर कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने और लोगों को दवा लेने के लिए जागरूक करने का संकल्प लिया। बीडीओ उदय कुमार ने कहा कि एमडीए कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य फाइलेरिया जैसी गंभीर बीमारी से लोगों को सुरक्षित करना है। वहीं, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. शंकर बैठा ने बताया कि स्वास्थ्य कर्मियों, आशा और आंगनबाड़ी सेविकाओं की मदद से घर-घर जाकर दवा का वितरण किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने स्वयं दवा का सेवन कर लोगों को इस महत्वपूर्ण अभियान में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

खुबलाल प्रसाद बने मोतिहारी के लोक अभियोजक, अधिवक्ताओं ने दी बधाई

बीएनएम @ मोतिहारी

बिहार सरकार के विधि सह परामर्श विभाग के सचिव अंजनी कुमार सिंह द्वारा वरिष्ठ अधिवक्ता खुबलाल प्रसाद को पूर्वी चम्पारण (मोतिहारी) का लोक अभियोजक नियुक्त किया गया है। नवनियुक्त लोक अभियोजक खुबलाल प्रसाद ने बीते शनिवार को जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के समक्ष योगदान देकर विधिवत कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर समाहरणालय के विधि प्रभारी पदाधिकारी सहित कई अधिवक्ता उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि पूर्व लोक अभियोजक की बर्खास्तगी के बाद से यह पद प्रभारी व्यवस्था में संचालित हो रहा था। कार्यभार ग्रहण करने के दौरान अधिवक्ता अमरेश कुमार, अनिल कुमार सिंह, मदन पंडित, अजय सहनी, संजीत श्रीवास्तव, रंजन कुमार श्रीवास्तव, प्रभाकर मिश्र और बलराज कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे। नियुक्ति की सूचना मिलते ही अधिवक्ताओं और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई दी। जिला बार एसोसिएशन के महासचिव राजीव कुमार द्विवेदी (पप्पू दुबे) ने पुष्पगुच्छ और शॉल देकर शुभकामनाएं दीं। सरकारी अधिवक्ता (जी. पी.) राजीव शंकर वर्मा ने भी उन्हें बधाई दी। इसके अलावा अधिवक्ता सिट्टू कुमार, राहुल त्रिपाठी, प्रवीण कुमार, भूषण कुमार, संतोष सिंह, बाबुल पांडेय, रोहित कश्यप, अभय शर्मा (पूर्व मुखिया) और अमित श्रीवास्तव सहित कई लोगों ने शुभकामनाएं प्रेषित कीं। अधिवक्ता एस.के. पंकज ने अपने डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से पोस्टर जारी कर बधाई दी।

डुमरियाघाट में तेज रफ्तार बोलेरो की चपेट में आई बाइक, महिला की दर्दनाक मौत

- बोलेरो के चकमा देने से बाइक हादसा, महिला ने तोड़ा दम

बीएनएम@डुमरियाघाट

स्टेट हाईवे–74 पर हुसैनी बाजार के समीप स्थित चारपुलवा, बुद्धा प्लाजा के पास सोमवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार महिला की मौत हो गई। यह दुर्घटना उस समय हुई जब एक अज्ञात बोलेरो वाहन ने बाइक को अचानक चकमा दे दिया, जिससे संतुलन बिगड़ने पर मोटरसाइकिल सड़क पर पलट गई। हादसे में बाइक पर सवार सिहासिनी देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं। मौके पर मौजूद लोगों की मदद से उन्हें तत्काल इलाज के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। मृतका की पहचान सिहासिनी देवी के रूप में हुई है, जो श्री महतो की पत्नी थीं और डुमरियाघाट थाना क्षेत्र के हुसैनी पंचायत के सिसवा गांव की रहने वाली बताई जा रही हैं। घटना की सूचना मिलते ही डुमरियाघाट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल को सुरक्षित करते हुए शव को अपने कब्जे में ले लिया आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया है। हादसे के बाद अज्ञात बोलेरो चालक वाहन सहित फरार हो गया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने में जुट गई है, ताकि वाहन और चालक की पहचान की जा सके। इस घटना के बाद इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। मृतका के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। थानाध्यक्ष विवेक कुमार बालेंदु ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इस मार्ग पर रफ्तार पर नियंत्रण और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके।

भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि के लिए नुकसान का पहलू

अमेरिका में टैरिफ 18 प्रतिशत होने से भारत के श्रम-केंद्रित उद्योगों को राहत मिलेगी। लेकिन अमेरिका की भू-राजनीतिक रणनीतियों से जुड़ी शर्तें डील में शामिल हुईं, तो आर्थिक के साथ-साथ भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि के लिए भी वो हानिकारक बात होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करने के बाद डॉनल्ड ट्रंप ने अपने चिर-परिचित अंदाज में भारत से ट्रेड डील होने का एलान किया। कहा कि इसके तहत अमेरिका भारत पर 'लिबरेशन डे टैरिफÓ को 25 से घटा कर 18 प्रतिशत कर देगा। बदले में भारत रूस से कच्चा तेल खरीदना बंद करेगा, अमेरिका से व्यापार में टैरिफ एवं गैर-टैरिफ रुकावटों को शून्य कर देगा, और 500 बिलियन डॉलर के ऊर्जा, तकनीक, कृषि, कोयला एवं अन्य उत्पाद खरीदेगा। 500 बिलियन डॉलर का अर्थ भारत के सालाना बजट का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा (तकरीबन 46 लाख करोड़ रुपये) है। बहरहाल, ट्रंप के सोशल मीडिया पोस्ट के बाद जारी अपने बयान में प्रधानमंत्री ने सिर्फ यह उल्लेख किया कि भारतीय उत्पादों पर अमेरिका में अब सिर्फ 18 प्रतिशत आयात शुल्क लगेगा। इससे ट्रेड डील को लेकर फिर से अस्पष्टता बन गई। बहरहाल, यह साफ है कि इस डील को हासिल करने के लिए भारत ने आगे बढ़ कर कई बड़ी रियायतें दी हैं। उनमें से कई तो करार के पहले ही दे दी गईं। इनमें अमेरिका के कृषि, वाहन, सौंदर्य प्रसाधन, इलेक्ट्रॉनिक्स, धातु एवं केमिकल्स उत्पादों पर भारत में आयात शुल्क में भारी कटौती शामिल है। साथ ही रक्षा सौदों का दायरा बढ़ाया गया। परमाणु उत्तरदायित्व कानून में अमेरिकी कंपनियों के अनुकूल बदलाव किया गया। ट्रंप प्रशासन के दबाव में भारत ने रूस से तेल की खरीदारी घटाई, ऐसी खबरें सुर्खियों में रही हैं। अब अगर ये पहलू ट्रेड डील का हिस्सा है, तो यह बेहद आपत्तिजनक बात होगी। इसलिए कि यह अपने संप्रभु निर्णय को किसी अन्य देश की भू-राजनीतिक जरूरतों के सामने समर्पित करने जैसा होगा। दरअसल, खरीदारियों के बारे में भी कोई व्यक्ति या देश अपनी जरूरत एवं बाजार के तर्कों से फैसला लेता है। किसी दबाव में आकर इस बारे में बंधना अपने हितों से समझौता होगा। अमेरिका में टैरिफ 18 प्रतिशत होने से वस्त्र, जेवरात आदि जैसे श्रम-केंद्रित उद्योगों को राहत अवश्य मिलेगी। लेकिन अमेरिका की भू-राजनीतिक रणनीतियों से जुड़ी शर्तें ट्रेड डील में शामिल हुईं, तो आर्थिक के साथ-साथ भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि के लिए भी वो नुकसान का पहलू होगा।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानव दर्शन को साकार कर रही नरेन्द्र मोदी सरकार

सुरेन्द्र शर्मा

भारत को अगर विश्व गुरु बनाना है तो उसका आधार केवल भारत का ही चिंतन हो सकता है , पश्चिम के आधार पर चलकर हम केवल पश्चिमी देशों के पिछलग्गू तो बन सकते हैं हम दुनिया का नेतृत्व नहीं कर सकते,भारत को अपने स्व को पहचानकर आगे बढ़ना होगा। यह चिंतन आधुनिक भारत के समस्त मनीषियों का रहा है इस चिंतन को एकात्म मानव दर्शन के रूप में प्रतिपादित करने वाले थे भारतीय जनसंघ के तत्कालीन राष्ट्रीय महामंत्री पंडित दीनदयाल उपाध्याय। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जिन्होंने भारत के स्व को पहचानकर भारतीयता के आधार पर भारत के स्वर्णिम भविष्य का स्वप्न देखा जिन्होंने समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति की भी चिंता की और कहा बिना समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति का उद्धार हुए राष्ट्र का अपने बल पर खड़ा होना मुश्किल है अंत्योदय से ही राष्ट्रोदय संभव है का मंत्र देने वाले आज की भारतीय जनता पार्टी के प्रेरणापुंज और जनसंघ के आधार स्तंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी को नियति ने 11 फ़रवरी 1968 को देश से छीन लिया पर उनके बताए मार्ग पर चलकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की केन्द्र सरकार एवं देश के 19 राज्यों की भाजपा एवं भाजपा गंठबंधन की सरकारें दीनदयाल जी के स्वप्न को साकार कर रही हैं।।

एकात्म मानव दर्शन का मूल उद्देश्य मनुष्य को केवल आर्थिक प्राणी न मानकर उसे शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा का समन्वित रूप मानना है। यह दर्शन भारतीय संस्कृति, परंपरा और जीवन मूल्यों पर आधारित है। वर्तमान समय में यदि भारत की राजनीति में इस दर्शन की व्यावहारिक अभिव्यक्ति देखी जाए, तो प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में इसके तत्व स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं। एकात्म मानव दर्शन का आधार यह है कि समाज, राष्ट्र और व्यक्ति एक-दूसरे से अलग नहीं हैं, बल्कि एक अखंड इकाई के रूप में जुड़े हुए हैं। यह दर्शन पश्चिमी विचारधाराओ पूंजीवाद और साम्यवाद दोनों से भिन्न है। जहाँ पूंजीवाद व्यक्ति को केंद्र में रखता है और साम्यवाद राज्य को, वहीं एकात्म मानव दर्शन समाज और संस्कृति को केंद्र में रखता है। इस दर्शन के अनुसार विकास केवल भौतिक नहीं, बल्कि नैतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक भी होना चाहिए। अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास पहुँचाना ही इसका उद्देश्य है, जिसे "अंत्योदय" कहा गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार ने शासन को केवल सत्ता का माध्यम नहीं, बल्कि सेवा का साधन माना है। "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" का नारा एकात्म मानव दर्शन की भावना को ही प्रतिबिंबित करता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की सरकार की योजनाएँ एकात्म मानव दर्शन की अंत्योदय अवधारणा को साकार करती हैं। प्रधानमंत्री जन-धन योजना ने गरीबों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ा। प्रधानमंत्री जनधन योजना (PMJDY) में अब तक कुल लाभार्थी संख्या लगभग 57.11 करोड़ लोगों तक पहुंच चुकी है। जिनमें देश भर के नागरिक शामिल हैं और ये संख्या लगातार बढ़ रही है इन खातेधारकों में ग्रामीण और शहरी दोनों शामिल हैं, तथा इन खातों के माध्यम से लाभार्थियों को बैंकिंग, डेबिट कार्ड, बीमा, पेंशन तथा डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) जैसे कई लाभ दिए जाते हैं। इन खातों के खुलने के बाद सरकार की योजनाओं से मिलने मिलने वाली राशि सीधे हितग्राहियों को प्राप्त हो रही है और बिचौलियों से जनता को राहत मिली है। उज्ज्वला योजना के माध्यम से महिलाओं को धुएँ से मुक्ति और सम्मानजनक जीवन मिला। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से लगभग 10.33 करोड़ परिवार देश भर में उज्ज्वला योजना का लाभ उठा रहे हैं।प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (PMUY) से लाभ पाने वाले परिवारों में पहली एलपीजी कनेक्शन के साथ गैस चूल्हा भी प्रदान किया जाता है, जिससे घरेलू स्तर पर स्वच्छ ऊर्जा और स्वास्थ्य लाभ मिलता है। आयुष्मान भारत योजना ने गरीबों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की आयुष्मान भारत योजना (Ayushman Bharat – Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana) भारत की flagship स्वास्थ्य सुरक्षा योजना है, जिसका मुख्य उद्देश्य गरीब और वंचित परिवारों को कैशलेस और मानक उपचार प्रदान करना है। अब तक लगभग 40.45 करोड़ से अधिक आयुष्मान भारत कार्ड जारी किए जा चुके हैं, जो लगभग 14.69 करोड़ परिवारों को कवर करते हैं। देश भर के गरीब परिवारों तक स्वास्थ्य बीमा सुरक्षा पहुँच चुकी है, जिससे वे 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज कैशलेस तौर पर अस्पतालों में प्राप्त कर सकते हैं। पूरे देश में 30,000 से अधिक अस्पताल (सरकारी + निजी) योजना के अंतर्गत सूचीबद्ध हैं, ताकि लाभार्थी आसानी से इलाज करवा सकें। ये योजनाएँ केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि सामाजिक सम्मान और आत्मनिर्भरता का भाव भी उत्पन्न करती हैं, जो एकात्म मानव दर्शन का मूल तत्व है। आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी चिंतन। एकात्म मानव दर्शन स्वदेशी और आत्मनिर्भरता पर विशेष बल देता है। नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा प्रस्तुत आत्मनिर्भर भारत अभियान इसी सोच का आधुनिक रूप है। इसका उद्देश्य भारत को आर्थिक,तकनीकी और औद्योगिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है।स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने का आह्वान—"वोकल फॉर लोकल"—भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ सांस्कृतिक स्वाभिमान को भी सुदृढ़ करता है आत्मनिर्भर भारत अभियान भारत सरकार की एक प्रमुख पहल है, जिसकी शुरुआत मई 2020 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की थी। इसका उद्देश्य भारत को आर्थिक, औद्योगिक, तकनीकी और सामाजिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि देश अपनी आवश्यकताओं के लिए दूसरों पर निर्भर न रहे और वैश्विक अर्थव्यवस्था में मजबूत भूमिका निभा सके। आत्मनिर्भर भारत का अर्थ आत्मकेंद्रित होना नहीं, बल्कि अपनी क्षमता को मजबूत करते हुए दुनिया से जुड़ा हुआ भारत बनाना है। इसका नारा है— "लोकल को ग्लोबल बनाना" और "वोकल फॉर लोकल"। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस अभियान को पाँच आधार स्तंभों पर रखाःअर्थव्यवस्था (Economy) – आधुनिक, मजबूत और नवाचार-आधारित , अवसंरचना (Infrastructure) – विकास की पहचान ,प्रणाली (System) – तकनीक आधारित, पारदर्शी व्यवस्था,जनसांख्यिकी (Demography) – युवा और कुशल मानव संसाधन, मांग (Demand) – घरेलू मांग को सशक्त करना। इसके लिए प्रमुख क्षेत्र MSME सेक्टर को सशक्त करने के लिए ऋण सुविधा, गारंटी योजना और सुधार,मेक इन इंडिया और PLI (Production Linked Incentive) योजनाओं के जरिए विनिर्माण को बढ़ावा कृषि सुधार और किसानों की आय बढ़ाने के प्रयास,डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और नवाचार को प्रोत्साहन,रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता और आयात पर निर्भरता में कमी,स्वदेशी उत्पादों और स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा सामाजिक और राष्ट्रीय महत्व आत्मनिर्भर भारत अभियान केवल आर्थिक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आत्मसम्मान और स्वाभिमान से भी जुड़ा है। इससे रोजगार के अवसर बढ़ते हैं, आयात घटता है और देश की अर्थव्यवस्था अधिक सुदृढ़ होती है। आत्मनिर्भर भारत अभियान भारत को समावेशी, टिकाऊ और आत्मविश्वासी राष्ट्र बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है जिसमें व्यक्ति, समाज और राष्ट्र—तीनों का संतुलित विकास लक्ष्य है।

संसद सत्रः संविधान का अपमान कौन कर रहा है

मृत्युंजय दीक्षित

वर्ष 2026 का बजट सत्र हल्ले-गुल्ले और अराजकता की भेंट चढ़ता दिखाई दे रहा है। यहाँ बजट के अतिरिक्त अन्य सभी विषयों को उठाए जाने का प्रयास हो रहा है। स्थितियां इतनी विकट हैं कि संसदीय इतिहास में पहली बार राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री लोकसभा में उत्तर नहीं दे सके और राष्ट्रपति का अभिभाषण बिना किसी चर्चा के पारित हो गया। यद्यपि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्यसभा में 97 मिनट लंबा और प्रभावशाली उत्तर दिया। राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने विपक्ष द्वारा की गई सभी टिप्पणियों का संज्ञान लेते हुए अपनी बात रखी। प्रधानमंत्री मोदी का यह संबोधन देश के स्वर्णिम भविष्य और विकास की दिशा को भी दर्शाता है। राष्ट्रपति के अभिभाषण के समय हंगामा करके देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद का अपमान करने के बाद जब समय आने पर राहुल गांधी को बोलने का अवसर दिया गया तो उन्होंने विषय से इतर जाकर पूर्व सेना प्रमुख नरवणे की एक अप्रकाशित पुस्तक का उल्लेख करते हुए कथित चीनी घुसपैठ का मुद्दा उछालने का प्रयास किया। लोकसभा अध्यक्ष द्वारा नियमों के अंतर्गत व्यवस्था दिए जाने के बाद भी राहुल गांधी अपनी बात पर अड़े रहे। यह एक आश्चर्यजनक व्यवहार है कि नेता प्रतिपक्ष राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोलने के स्थान पर पुराने मुद्दे उठाए और उनको भी आपत्तिजनक रूप से रखकर देश की सेना और सदन का अपमान करें। लोकसभा में कांग्रेस तथा इंडी गठबंधन की महिला सांसदों ने जिस प्रकार प्रधानमंत्री मोदी का रास्ता रोकने की योजना बनायी और लोकसभा अध्यक्ष को प्रधानमंत्री से सदन में न आने का अनुरोध करना पड़ा, वो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। विडम्बना ये है कि यही लोग अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की बातें करते हैं। राज्यसभा में बोलते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस में भाग न लेकर विपक्षी दलों ने न केवल राष्ट्रपति पद का अपमान किया है अपितु एक गरीब परिवार से निकल कर आई आदिवासी महिला का भी अपमान किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में राहुल गांधी व कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और केंद्रीय रेल राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को ग़द्दार कहने पर भी राहुल गांधी को घेरा। प्रधानमंत्री ने कहा कि इनका अहंकार सातवें आसमान पर पहुंच गया है । कांग्रेस छोड़कर कितने ही लोग निकले हैं, किसी और को तो ग़द्दार नहीं कहा, ये सिख हैं इसलिए कहा, ये सिखों का, गुरुओं का अपमान था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि लोकसभा में चेयर पर कागज फेकें गए जब असम के सदस्य चेयर की कुर्सी पर विराजमान थे- क्या यह असम का अपमान नहीं? जब आंध्र प्रदेश के एक दलित सदस्य चेयर की कुर्सी पर बैठे थे तब उन पर भी कागज फेंके गए क्या यह एक दलित बेटे और संविधान का अपमान नहीं है ? प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आखिर कांग्रेस उनके लिए कब्र खुदेगी का नारा क्यों देती है ? हमने जम्मू -कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाई इसलिए या हमने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से उबारा है इसलिए? प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि ये कौ-सी मोहब्बत की दुकान है जो देश के किसी नागरिक की कब्र खोदने के सपने देखती है? प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं देश के युवाओं के लिए मजबूत जमीन तैयार कर रहा हूं तो कांग्रेस मोदी की कब्र खोदने के कार्यक्रम करवा रही है। हमने नार्थ ईस्ट में बम-बंदूक और आतंक का जो साया बना रहता था वहां शांति और विकास की राह अपनाई इसलिए वह मोदी की कब्र खोद रहे हैं। पाकिस्तानी आतंकवादियों को घर में घुसकर मारते हैं, ऑपरेशन सिंदूर करते हैं और इसलिए वे मोदी की कब्र खोदना चाहते हैं। मोदी तेरी कब्र खुदेगी ये जो उनके भीतर नफरत भरी हुई है मोहब्बत की दुकान में जो आग भरी पड़ी हुई है, उसका कारण है कि कांग्रेस इस बात को पचा नहीं पा रही है कि कोई और क्यों प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठा है, ये तो हमारा पैतृक अधिकार था इसलिए वे हताशा में मोदी की कब्र खोदने के नारे लगा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस को ये सहन नही हो रहा हे कि जो समस्याएं उसने 60 सालो में पाल-पोस कर बड़ी की थीं मोदी उनका एक- एक करके समाधान क्यों कर रहा है? कांग्रेस को ये सब पसंद नहीं आ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूरोपियन यूनियन और फिर अमेरिका के साथ जो व्यापार समझौते हुए उनके विषय में जानकारी देते हुए बताया कि अब पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है और समझौते कर रही है। कांग्रेस को भी यह अवसर

मिला था, उन्होंने यह क्यों नही कर दिखाया? प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन के माध्यम से कांग्रेस,लेफ्ट व डीएमके सहित टीएमसी पर भी तीखा हमला बोला और उन्होंने बंगाल की टीएमसी सरकार को देश की सबसे निर्मम बताते हुए कहा कि यह लोग अपने अंदर नहीं झाकते अपितु हमको यहां बैठकर उपदेश देते हैं। प्रधानमंत्री ने राज्यसभा सांसद सदानंद मास्टर के भाषण का संज्ञान लेते हुए वैचारिक सहिष्णुता की चर्चा की, ज्ञातव्य है कि सदानंद मास्टर के दोनों पैर वामपंथी विचारधारा के लोगों ने निर्ममता से केवल उनकी विचारधारा अलग होने के कारण काट दिए थे। संसद के वर्तमान सत्र में राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस और इंडी गठबंधन ने जो रवैया अपनाया है उसने देश के वास्तविक मुद्दों को उठाने का एक सुनहरा अवसर खो दिया है। प्रधानमंत्री मोदी व भाजपा को घेरने के बजाय उन्होंने भाजपा व प्रधानमंत्री मोदी को ही अपने ऊपर आक्रमण करने का अवसर दे दिया है। भाजपा अब सिख व दलित सांसदों के अपमान का राजनैतिक लाभ उठाने का पूरा प्रयास करेगी। भाजपा चुनाव वाले राज्यों में विरोधी दलों के संसदीय आचरण को भी मुद्दा बनाएगी।

ओटीटी की भाषा, हिन्दी और हम

डा. अवधेश कुमार यादव

चण्डीगढ़ के गुप्ता जी रविवार के दिन मनोरंजन के लिए ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर हिंदी वेब सीरीज देख रहे थे। उनका पांच साल का बेटा मोबाइल गेम में व्यस्त था। तभी टेलीविजन स्क्रीन पर पात्र अचानक से एक-दूसरे को जोर-जोर से गालियां देने लगे, जिसे देखकर उनका बेटा भी जोर-जोर से दोहराने लगा। गुप्ता जी रिमोट से सीरीज बंद कर देते हैं और मन ही मन सोचते हैं कि यह क्या हो रहा है? बचपन में तो हम अखबार पढ़कर भाषा सीखते थे। संपादकीय पन्नों से नए शब्द, मुहावरे और व्याकरण की बारीकियां आत्मसात करते थे। अब ये ओटीटी प्लेटफॉर्म्स बच्चों की जुबान गंदी कर रहे हैं। हिंदी न्यूज चैनल तो हिंग्लिश में ब्रेकिंग न्यूज चला रहे हैं। अंग्रेजी माध्यम स्कूलों से पढ़े पत्रकार 'ग्राउंड जीरो' और 'एक्सक्लूसिव' जैसे शब्द हिंदी में लिखकर प्रसारित कर देते हैं। ओटीटी ने 'रियलिज्म' के नाम पर अश्लीलता की सारी हदें पार कर दी हैं। एक समय था जब हिंदी भाषा की शुद्धता, व्याकरण और वर्तनी का सबसे बड़ा शिक्षक अखबार हुआ करता था। 19वीं सदी के अंत से लेकर 20वीं सदी के अधिकांश भाग तक अखबार घर-घर में भाषा सिखाते थे। लोग संपादकीय, लेख और समाचार पढ़कर नए शब्द सीखते, मुहावरे समझते और व्याकरण की बारीकियां आत्मसात करते। हिंदी की लयबद्धता, संस्कृतनिष्ठ शब्दावली और उर्दू की मिठास का सुंदर संयोजन अखबारों की भाषा में झलकता था। वह दौर था जब भाषा को सम्मान दिया जाता था और उसे सँवारने का सतत प्रयास होता था। फिर, टेलीविजन का दौर आया। 1980-90 के दशक में दूरदर्शन पर सरकारी नियंत्रण के कारण भाषा काफी हद तक शुद्ध बनी रही, लेकिन निजी न्यूज चैनलों के उदय के साथ सब कुछ बदल गया। अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा ने नई पीढ़ी को हिंदी से दूर कर दिया। स्कूलों में अंग्रेजी को प्रधानता मिली, हिंदी को माध्यमिक भाषा का दर्जा दिया जाने लगा। अंग्रेजी माध्यम से पढ़े-लिखे युवा जब हिंदी न्यूज चैनलों में पत्रकार बने, तो उन्होंने हिंदी में अंग्रेजी के शब्दों को जबरदस्ती घुसेड़ना शुरू कर दिया। ब्रेकिंग न्यूज, ग्राउंड जीरो, एक्सक्लूसिव, स्पॉटलाइट, सोर्सेज के मुताबिक, डेवलपमेंट्स हो रही है जैसे वाक्य आम हो गए। ब्रेकिंग न्यूज की होड़ में अनुवाद की जल्दबाजी ने व्याकरण और शुद्धता को ताक पर रख दिया। चैनलों पर चीख-चीखकर खबरें पढ़ी जाने लगीं, जिससे भाषा की मर्यादा भी कमजोर पड़ गई। लेकिन असली तबाही ओटीटी (ओवर-द-टॉप) प्लेटफॉर्म्स के साथ आयी। नेटफ्लिक्स, अमेजन प्राइम वीडियो, डिज्नी प्लस, हॉटस्टार, जी फाइव आदि पर हिंदी वेब सीरीज ने भाषा की सारी पारंपरिक सीमाएं तोड़ दीं। संवाद अब शुद्ध हिंदी में नहीं, बल्कि हिंग्लिश, क्षेत्रीय बोलियों के मिश्रण और सबसे ज्यादा गालियों से भरे होते हैं। मिर्जापुर, सेक्रेड गेम्स, पाताल लोक, कॉलेज रोमांस, हॉस्टल डेज जैसी वेब सीरीज में हर दूसरे वाक्य में अश्लील शब्द सुनाई देते हैं। ये शब्द अब सिर्फ पात्रों की भाषा नहीं रहे, बल्कि युवाओं की रोजमर्रा की जुबान बनते जा रहे हैं ओटीटी पर अश्लील कंटेंट की बाढ़ से न केवल संस्कृति का सत्यानाश हो रहा है, बल्कि समाज में भाषा की गंभीर समस्या भी उत्पन्न हो रही है। रियलिज्म और ऑथेंटिसिटी के नाम पर अश्लील सीन और संवाद आम हो गए हैं, लेकिन क्या वास्तविक जीवन में हर व्यक्ति हर वाक्य में गाली देता है? क्या कॉलेज के छात्रों की सामान्य भाषा इतनी गंदी होती है? यह सब युवा पीढ़ी पर गहरा मनोवैज्ञानिक प्रभाव डाल रहा है। बच्चे और किशोर इन शब्दों को सुन-देखकर अपनी भाषा में शामिल कर लेते हैं, जिससे समाज में गाली-गलौज सामान्य लगने लगी है। 2025 में स्थिति और गंभीर हुई तो सरकार ने अश्लील और पोर्नोग्राफिक कंटेंट के खिलाफ सख्त कदम उठाए। जुलाई 2025 में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने 25 ओटीटी प्लेटफॉर्म्स (जिनमें उल्लू, एएलटीटी, बिग शॉट्स, डेसिफ्लिक्स, नियॉनएक्स वीआईपी इत्यादि) को ब्लॉक कर दिया, क्योंकि ये अश्लील, वल्गर और पोर्नोग्राफिक सामग्री प्रसारित कर रहे थे। यह कार्रवाई आईटी एक्ट, 2000 और 2021 के इंटरमीडियरी गाइडलाइंस के तहत की गई। इससे पहले 2024 में भी 18 प्लेटफॉर्म्स पर ऐसी ही कार्रवाई हुई थी। कुल मिलाकर, जुलाई 2025 तक 43 प्लेटफॉर्म्स ब्लॉक हो चुके हैं। सरकार ने 2024 के अंत से ही ओटीटी कंटेंट के लिए नए दिशा-निर्देशों पर काम शुरू किया था, जिसमें प्रोफेनिटी (गाली-गलौज) को बीप करना, अश्लील सीन को ब्लर करना और इंटीमेट सीन के वैकल्पिक चित्रण को बढ़ावा देना शामिल है। हालांकि मुख्यधारा के प्लेटफॉर्म्स जैसे नेटफ्लिक्स, अमेजन प्राइम आदि पर अभी भी सेंसरशिप नहीं है, बल्कि सेल्फ-रेगुलेशन और आईटी रूल्स 2021 के तहत तीन-स्तरीय तंत्र है। दिसंबर 2025 में सरकार ने लोकसभा में स्पष्ट किया कि ओटीटी कंटेंट सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) के दायरे में नहीं आता, बल्कि अलग से आईटी रूल्स के तहत नियंत्रित होता है। सुप्रीम कोर्ट ने भी कई मामलों में कहा है कि प्रोफेनिटी अपने आप में ओब्सेनिटी नहीं है (जैसे कॉलेज रोमांस मामले में 2024 का फैसला), लेकिन अश्लीलता और बच्चों की सुरक्षा पर चिंता जताई है। अप्रैल 2025 में कोर्ट ने एक याचिका पर केंद्र, ओटीटी प्लेटफॉर्म्स और सोशल मीडिया को नोटिस जारी किया था। यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है क्योंकि भाषा सिर्फ संवाद का साधन नहीं, बल्कि संस्कृति और समाज का दर्पण है। जब भाषा में गंदगी आएगी, तो समाज में भी वह फैलेगी। युवा पीढ़ी की जुबान खराब हो रही है। अखबारों ने हिंदी को ऊंचा उठाया, टीवी ने गिराया और ओटीटी ने इसे गटर तक पहुंचा दिया। अब समय आ गया है कि सेन्सरशिप या सख्त रेगुलेशन को जरूरी माना जाए। सरकार को चाहिए कि मुख्यधारा ओटीटी पर भी प्रोफेनिटी फिल्टर, आयु-आधारित सख्त क्लासिफिकेशन और ब्लरिंग जैसे उपाय अनिवार्य करे। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है, लेकिन बच्चों की सुरक्षा, सांस्कृतिक गरिमा और भाषा की पवित्रता इससे ज्यादा महत्वपूर्ण है। ओटीटी ने मनोरंजन के नाम पर भाषा और संस्कृति को भारी नुकसान पहुंचाया है।

आज का राशिफल

मेष राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। इस समय लोग बेहतरीन विचारों को सुनने–जानने के लिए बहुत उत्सुक होंगे। आज आप लोगों से जो भी बात मनवानी है, आसानी से मनवा सकते हैं। अपने अधिकार जताने की प्रवृत्ति को नियंत्रण में रखें, यह आपके काम पर असर डाल सकती है। इस राशि के लोगों को आज किसी करीबी से कोई खुशखबरी मिल सकती है।

वृष राशि : आज का दिन आपका खुशनुमा बना रहेगा। आज आपका रचनात्मक कार्यों में नाम होगा और आपको प्रसिद्धि भी मिलेगी। आज आप अपने मन के आधार पर फैसले लेंगे। लेकिन वे सिर्फ पैसों के मामले में लाभकारी साबित होंगे। आज सामने आयी सभी चुनौतियों का डटकर मुकाबला करेंगे तो सफलता भी हाथ लगेगी। लेकिन आपको भविष्य को बेहतर बनाने के लिए इस समय आलस्य को छोड़ना होगा।

मिथुन राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपको नौकरी के लिए अच्छी खबर मिल सकती है। आपको किसी कंपनी में इंटरव्यू के लिए बुलाया जा सकता है। इस राशि के उभरते हुए लेखकों के लिए आज का दिन एक बेहतरीन हो सकता है क्योंकि आपके लेख या आपकी पुस्तक किसी बड़े पब्लिशर के द्वारा प्रकाशित हो सकती है। आपका करियर अब पूरी तरह से एक नए रूप में शोभित होगा।

कर्क राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आज आप शाम का समय परिवारवालों के साथ बिताएंगे। इस राशि के जो लोग बिजनेस करते है आज उन्हें धनलाभ होने की उम्मीद है। लेकिन कोई डील करते समय बोलने से पहले सोच लें, कहीं ऐसा ना हो कि डील होने से पहले केंसिल हो जांए।

सिंह राशिः आज जिस काम को पूरा करना चाहेंगे वो आसानी से पूरा हो जाएगा। किसी जरूरी काम के पूरा होने पर बधाइयां देने के लिए लोगों का आवागमन लगा रहेगा। आज किसी पुराने मित्र से मिलने उसके घर जा सकते हैं जहां आप निजी समस्याओं को लेकर बातचीत करेंगे। अगर पहले किसी रिश्तेदार से अनबन हुई है तो आज रिश्तों में सुधार लाने के लिए दिन अच्छा है। आज विरोधी आपसे दूरियां बनाकर रहेंगे।9

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। जिस काम को कई दिनों से पूरा करने की सोच रहें है वो आज किसी मदद से पूरा हो जाएगा। आज किसी दूसरे के काम में राय देने से बचें और साथ ही आज दूसरों से बात करते समय सही भाषा का प्रयोग करें। इस राशि के जो लोग सोशल नेटवर्किंग से जुड़े हैं उनके लिए आज का दिन बढ़िया है।

तुला राशि–:आज आपका दिन खुशनुमा बना रहेगा। आज आप किसी काम को करते समय अपने मन को शांत रखें, तो आपका काम आसानी से सफल होगा। अगर आप जल्दी मचाएंगे तो सब गड़बड़ हो जाएगा। इस राशि के जो लोग अविवाहित हैं आज उनके लिए रिश्ते आ सकते हैं। परिवार वाले आपके विवाह की प्लानिंग करेंगे।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए बहुत बढ़िया है। जिन चीजों के लिए आप लंबे समय से कोशिश कर रहे हैं, आज पूरे होने वाली हैं। जिन कोशिशों को आप अपनी ओर से व्यर्थ मान चुके थे, वे आज सफल होंगी। इसीलिए आज दोस्तों और परिजनों के साथ खुशियाँ मनाएं, हो सकता है कि उनके पास भी आपको सुनाने के लिए अच्छी खबर हो।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहेगा। आज आपके मन में नए विचार आयेंगे, हो सकता है किसी नए बिजनेस की शुरुआत करें, जिससे भविष्य में आपको फायदा होगा। आज परिवार से जुड़ी कई जिम्मेदारियां निभाएंगे। इस राशि के कॉन्ट्रेक्टर के लिए आज का दिन अच्छा होगा, हो सकता है कि आपको आज नया कॉन्ट्रेक्ट मिलेगा। जिससे आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए सामान्य रहेगा। आज का दिन यात्रा में बीतेगा। ये यात्रा में ऑफिस के काम से संबंधित हो सकती है। यात्रा के दौरान किसी दूर के रिश्तेदार से आपकी मुलाकात हो सकती है। जिससे आपका मन प्रसन्न हो जाएगा। इस राशि के इंजीनियर्स के लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा। किसी कंपनी से जॉब के ईमेल आ सकती है।

कुंभ राशिः आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपका रुझान अध्यात्म की तरफ रहेगा मंदिर जाने या किसी धार्मिक कार्यक्रम के आयोजन की योजना बना सकते हैं। आज आनंद की प्राप्ति के लिए आपको अपने स्वभाव में थोड़ा परिवर्तन लाने की जरूरत है। निश्चित ही घर में खुशियों का आगमन होगा।

मीन राशिः आज आपकी किस्मत आपका पूरा साथ देगी। आप अपने कार्य क्षेत्र में काफी अच्छे तरीके से काम करेंगे। आप अपने माता-पिता या बहन भाइयों के साथ भी समय बिता सकते हैं। ऑफिस में नया काम करने का मौका मिल सकता है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

आईसीसी ने इस बार टी20 विश्वकप के लिए अच्छी पिचें बनायीं : अश्विन

गेंद और बल्ले में टक्कर से रोमांच बढ़ा

एजेंसी, चेन्नई

दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसने टी20 विश्वकप के लिए अच्छी पिचें बनायी है। अश्विन के अनुसार इससे मुकाबले रोमांचक हो रहे है क्योंकि पिच से बल्लेबाजों के साथ ही गेंदबाजों को भी सहायता मिल रही है। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट की शुरुआत में हर कोई सोच रहा था कि विश्वकप में बड़े स्कोर बनेंगे पर अभी तक हुए मैचों में ये बात गलत साबित हुई है। ये खुशी की बात है कि आईसीसी ने ऐसी पिचें तैयार की हैं जहां बल्लेबाजों और गेंदबाजों के बीच कड़ी टक्कर हो रही है। इससे खेल का स्तर बढ़ा है। अश्विन ने कहा कि टेस्ट खेलने वाले देश आईपीएल और द्विपक्षीय सीरीज की तरह ही ऐसी पिचों की उम्मीद करते हैं जिसपर आसनी से रन आयें। इस बार ऐसी टीमों को हैरानी हुई है। वानखेड़े स्टेडियम को ही लें भारतीय टीम को वहां सपाट पिच की उम्मीद थी पर जो पिच मिली वह काफी अलग रही। इससे टीम के लिए रन बनाना आसान नहीं रहा। अश्विन का मानना है कि पिच की इस प्रकृति ने टीमों को हैरान कर दिया है। उन्हें वह गति और उछाल नहीं मिल रहा है जिसकी उन्होंने भविष्यवाणी की थी। इसकी वजह से खेल और भी चुनौतीपूर्ण हो गया है। उन्होंन कहा कि जब मैच में बल्ले और गेंद के बीच सही संतुलन होता है, तो टी20 क्रिकेट का मजा और बढ़ जाता है। ये देखा गया है कि 140, 150 या 160 के आसपास के स्कोर वाले मैचों में रोमांच अधिक होता है क्योंकि ऐसे हालातों में छोटी टीमों के पास भी बड़ी टीमों को हराने का अवसर होता है। वहीं यदि हर मैच में केवल बड़े स्कोर ही बनेंगे, तो गेंदबाजों के लिए कुछ नहीं रहेगा और मुकाबले एकतरफा हो जाएंगे। इसलिए, इस बार की पिचों को वह अच्छा कह रहे हैं। इनपर बल्लेबाज और गेंदबाज के पास समान अवसर हैं। ऐसे में वही टीम बेहतर कर पायेगी जो पिच को समझ सकेगी।

एशियन चैंपियनशिपः सोफिया शुल्झेंको का वर्ल्ड रिकॉर्ड, भारत के खाते में दो और स्वर्ण

एजेंसी, नई दिल्ली

कज़ाख़स्तान की निशानेबाज़ सोफिया शुल्झेंको ने 50 मीटर राइफल थ्री पोज़िशन (3पी) महिला वर्ग में नया विश्व रिकॉर्ड बनाते हुए मंगलवार को एशियन राइफल-पिस्टल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिता के सातवें दिन भारत ने डॉ. नई दिल्ली के कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में दो और स्वर्ण पदक जीतकर अपनी बढ़त को और मज़बूत किया। सोफिया ने 35 शॉट के फ़ाइनल में 358.2 का स्कोर करते हुए स्वर्ण पदक जीता और भारत की आकृति दहिया से चार अंकों की बढ़त बनाई, जिन्हें रजत पदक मिला। आकृति की सीनियर साथी और विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता अंजुम मौदगिल ने 340.4 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। सोफिया के इस शानदार प्रदर्शन ने उन्हें एक साथ चार विश्व रिकॉर्ड, विश्व जूनियर रिकॉर्ड, एशियन रिकॉर्ड और एशियन जूनियर रिकॉर्ड दिलाए। जूनियर महिला 3पी फ़ाइनल में भारत की प्राची गायकवाड़ ने 353.3 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। कज़ाख़स्तान की 14 वर्षीय टॉमिरिस अमानोवा ने 351.4 के साथ रजत पदक हासिल किया, जबकि भारत की अनुष्का ठाकुर ने 341.1 के स्कोर के साथ (34वें शॉट के बाद) कांस्य पदक अपने नाम किया। प्राची, अनुष्का और हेज़ल की तिकड़ी ने टीम स्पर्धा में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 1748 के कुल स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता, जो टीम कज़ाख़स्तान से सात अंक अधिक था। सीनियर महिला 3P टीम स्पर्धा में कज़ाख़स्तान ने 1760 के संयुक्त स्कोर के साथ भारत को चार अंकों से पीछे छोड़ते हुए स्वर्ण पदक जीता। पेरिस ओलंपियन और पिछले वर्ष ब्यूनस आयर्स वर्ल्ड कप की कांस्य पदक विजेता एरिना मालिनोव्स्काया ने महिला 3पी क्वालिफिकेशन में 588 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। अंजुम मौदगिल ने 587 के साथ दूसरा स्थान पाया, जबकि आशी चौकसे 586 के स्कोर के साथ चौथे स्थान पर रहीं। आकृति दहिया ने 583 के साथ छठा स्थान हासिल किया, जबकि विजेता सोफिया शुल्झेंको ने 587 के स्कोर के साथ तीसरा स्थान पाया। फ़ाइनल में पहले नीलिंग राउंड के बाद तीनों भारतीय निशानेबाज़ शीर्ष पर थीं और आकृति दहिया बढ़त में थीं। हालांकि, प्रोन पोज़िशन में शानदार प्रदर्शन करते हुए सोफिया दूसरे स्थान पर पहुंचीं। इसके बाद स्टैंडिंग पोज़िशन की दोनों पांच-शॉट सीरीज़ में 50 से अधिक अंक हासिल करने वाली वह एकमात्र शूटर रहीं और निर्णायक बढ़त बनाते हुए स्वर्ण पदक सुनिश्चित किया। दिन के अन्य मुकाबलों में भारत के आदर्श सिंह ने पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फ़ायर पिस्टल स्पर्धा के पहले प्रिसिजन राउंड के बाद 291/300 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। पसंदीदा निशानेबाज़ अनीश भानवाला ने 287 का स्कोर किया और फ़ाइनल की दौड़ में बने हुए हैं, जबकि नीरज कुमार ने 277 का स्कोर किया और उन्हें बुधवार (11 फ़रवरी) को होने वाले दूसरे रैपिड फ़ायर राउंड में बेहतर प्रदर्शन की ज़रूरत होगी। भारत की पदक तालिका में अब 39 स्वर्ण, 15 रजत और 12 कांस्य पदक हो चुके हैं और टीम इंडिया मज़बूती से शीर्ष स्थान पर बनी हुई है।

सूर्यकुमार ने कप्तान के तौर पर अपने को साबित किया : गंभीर

» कोच के तौर पर मेरा काम आसान हुआ

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कप्तान सूर्यकुमार यादव की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह मेरा काम आसान कर देते हैं। गंभीर ने कहा कि टी20 प्रारुप में कप्तान बनाये जाने के बाद से ही सूर्या ने अपनी जिम्मेदारी काफी अच्छे से निभाई है। वह हर प्रकार से सफल रहे है। दबाव के बीच भी उनकी नेतृत्व क्षमता को सभी ने देखा है। एक वीडियो में गंभीर ने कहा कि टीम में सूर्यकुमार जैसे आक्रामक बल्लेबाज से भारतीय टीम को काफी लाभ होता है। टीम के लिए ये खुशी की बात है कि उसे ऐसा कप्तान और बल्लेबाज मिला है जो संयमित रहते हुए सभी का सही उपयोग करता है। इससे कोच के तौर पर मेरा काम भी आसान हो गया है। गंभीर ने कहा, 'सूर्यकुमार ने इस प्रारूप में मेरा काम कर कर दिया है। वह लोगों के लिए एक बेहतरीन कप्तान हैं, यह केवल नहीं कि वह मैदान पर क्या करते हैं, या बल्लेबाज के रूप में कैसे हैं, या उनके शॉट्स इस प्रारूप में किस प्रकार के हैं।' कोच के तौर पर दिमाग में कई बातें चल रही होती हैं पर सूर्यकुमार माहौल को शांत बनाए रखते है, जो हर कोच चाहता है।' सूर्यकुमार ने पहले ही मैच में अमेरिका के खिलाफ पारी को संभालकर टीम को जीत दिलायी। उन्होंने एक छोर से विकेटों के गिरने के बची भी 49 गेंदों में नाबाद 84 रन बनाकर टीम को मैच में बनाये रखा। गंभीर ने कहा, 'मेरे लिए खिलाड़ी सूर्यकुमार को अलग रखा जा सकता है पर कप्तान सूर्यकुमार के तौर पर वह हर परीक्षा खरे उतरे हैं। इससे मुझे भी काफी आराम मिल गया है क्यों मेरा काफी काम वहीं कर देते हैं। वह वास्तव में एक शानदार नेतृत्वकर्ता हैं।' यह सौभाग्य की बात है कि देश का नेतृत्व उनके जैसे खिलाड़ी के हाथ में है, क्योंकि उनका दिल सही जगह पर है और दबाव में वह सही फैसला लेते हैं।' गौरतलब है कि रोहित शर्मा के टी20 से संन्यास के बाद गंभीर ने ही सूर्या को कप्तानी देने की मांग की थी।

यूएफा महिला चैंपियंस लीग खेलने वाली पहली भारतीय महिला फुटबॉलर हैं मनीषा

एजेंसी, लीमा

भारतीय महिला फुटबॉलर मनीषा कल्याण मनीषा यूएफा महिला चैंपियंस लीग में खेलने वाली पहली भारतीय फुटबॉलर हैं। इसके बाद से ही उन्हें विदेशी लीग से प्रस्ताव मिलने शुरु हुए। अब मनीषा पेरु के क्लब एलियांजा लीमा से खेलती हुई नजर आयेंगी। मिडफील्डर मनीषा ने हाल ही में इस क्लब से करार किया है। मनीषा के अनुसार इससे उन्हें काफी कुछ सीखने का अवसर मिलेगा। मनीष के अनुसार वह इस टीम की ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास करेंगी। उन्होंने कहा, ''मैं इस क्लब में आकर बहुत खुश हूं। मुझे उनका खेलने का अंदाज काफी अच्छा लगता है।मैं अब इस नई चुनौती को लेकर बेहद उत्साहित हूं। वहीं क्लब एलियांजा ने कहा, ''मनीषा के साथ करार से हमें खुशी हुई है। उनके आने से हैं टीम को मजबूत मिलेगी। उन्होंने यूरोपीय फुटबॉल के शीर्ष स्तर पर खेला है जिसका लाभ क्लब को मिलेगा। ''साथ ही कहा , ''कल्याण ने क्लब और राष्ट्रीय टीम दोनों स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया है। उनके पेशेवर करियर में भारत, साइप्रस और यूनान की लीग में खेलने का अनुभव शामिल है। ''वहीं मनीषा ने कहा कि उसका प्रयास क्लब के लिए बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। उनका ध्यान अपना सौ फीसदी देने पर रहेगा।

बीसीसीआई ने नये केन्द्रीय अनुबंध की घोषणा की, विराट ओर रोहित का हुआ डिमोशन

» शमी सहित पांच खिलाड़ी हुए बाहर, साई सुदर्शन शामिल

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के नये केन्द्रीय अनुबंध में कई बदलाव हुए हैं। बीसीसीआई ने साल 2025-26 सत्र के लिए नया केन्द्रीय अनुबंध जारी कर दिया है। इसमें अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली का डिमोशन हुआ है। वहीं ईशान किशन और मोहम्मद शमी सहित पांच खिलाड़ियों को बाहर कर दिया गया है। बोर्ड ने इस बार ए प्लस कैटेगरी को भी हटा दिया है। अब ए कैटेगरी में ही टेस्ट और एकदिवसीय टीम के कप्तान शुभमन गिल के साथ जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा को रखा गया है। वहीं नए केन्द्रीय अनुबंध में कुल 5 खिलाड़ियों मोहम्मद शमी, रजत पाटीदार, सरफराज खान, मुकेश कुमार और ईशान किशन को बाहर कर दिया गया है जबकि एक ही नये खिलाड़ी साई सुदर्शन को इसमें जगह मिली है। इस बार 34 की जगह 30 खिलाड़ियों को ही अनुबंध दिया गया है। शमी को बाहर किए जाने से तय है कि अब उनका करियर समाप्त हो रहा है और वह टीम योजनाओं में शामिल नहीं हैं। वहीं ईशान, मुकेश और सरफराज को एक भी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेलने के कारण बाहर कर दिया गया। ईशान को टी20 प्रारुप में जगह मिली है पर उनकी वापसी नये सत्र में हुई है। यह वापसी नए साइकिल में हुई है। वहीं सीनियर पुरुष अनुबंध सूची में नये खिलाड़ी के तौर पर केवल सुदर्शन को जगह मिली है। बोर्ड ने अभी तक रिटेनरशिप की राशि की जानकारी नहीं दी है। ए प्लस ग्रुप इस बार समाप्त कर दिया गया है इसमें 7 करोड़ मिलते थे जबकि ए में 5 करोड़, बी में 3 करोड़ और सी में एक करोड़ मिलते थे। अब देखना है कि इस बार इसमें कितनी रकम मिलती है।

बीसीसीआई केन्द्रीय अनुबंध

ग्रेड ए-शुभमन गिल,जसप्रीत बुमरा,रवींद्र जड़ेजा।

ग्रेड बी – विराट कोहली, रोहित शर्मा, केएल राहुल, वाशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज, हार्दिक पंड्या, ऋषभ पंत, कुलदीप यादव, यशस्वी जयसवाल, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर।

ग्रेड सी – अक्षर पटेल, रुतुराज गायकवाड़, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, शिवम दुबे, संजू सैमसन, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, ध्रुव जुरेल, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, नितीश कुमार रेड्डी, अभिषेक शर्मा, साई सुदर्शन, रवि बिश्नोई।

व्यापार

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी का रुख, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

नई दिल्ली । घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख बना नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद बिकवाली का दबाव बनने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में थोड़ी गिरावट भी आई, लेकिन कुछ देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आ गई। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.31 प्रतिशत और निफ्टी 0.32 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एटरनल, टाटा स्टील, जियो फाइनेंशियल, टेक महिंद्रा और मारुति सुजुकी के शेयर 2.75 प्रतिशत से लेकर 1.44 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, बजाज फाइनेंस, श्रीराम फाइनेंस, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, इंटर ग्लोब एविएशन और एशियन पेंट्स के शेयर 1.41 प्रतिशत से लेकर 0.66 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभीतक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,711 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो

रही थी। इनमें से 1,962 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 749 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 23 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 7 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 36 शेयर हरे निशान में और 14 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 144.25 अंक की मजबूती के साथ 84,210 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के थोड़ी देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक गिर कर लाल निशान में 84,063.47 अंक के स्तर तक आ गया। पहले 10 मिनट तक दबाव का सामना करने के बाद बाजार में खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 259.55 अंक की बढ़त के साथ 84,325.30 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 55.35 अंक उछल कर 25,922.65 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। शुरुआती कारोबार में बिकवाली का दबाव बनने के कारण ये सूचकांक फिसल कर 25,870.45 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक ने रफ्तार पकड़ ली। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 83.60 अंक की मजबूती के साथ 25,950.90 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन सोमवार को सेंसेक्स 485.35 अंक यानी 0.58 प्रतिशत की मजबूती के साथ 84,065.75 अंक के स्तर पर बंद हुआ था।

सर्राफा बाजार में चमकी चांदी, सोने के भाव में गिरावट का रुख

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने के भाव में गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 840 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 920 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। दूसरी ओर, चांदी ने आज 16,200 रुपये प्रति किलोग्राम की छलांग लगाई है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,57,920 रुपये से लेकर 1,58,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,44,760 रुपये से लेकर 1,44,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। जबकि चांदी की कीमत में उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 3,01,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,58,070 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट

सोने की कीमत 1,44,910 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,57,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,44,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,57,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,44,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,57,920 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,44,760 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,57,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,44,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,57,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,44,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,58,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,44,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,57,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,44,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,58,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,44,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में कमजोरी दर्ज की गई है।

रुपया 11 पैसे टूटकर 90.77 प्रति डॉलर पर खुला

मुंबई। रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 11 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.77 पर पहुंच गया। भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते पर सहमति के बाद से मुद्रा बाजार में उत्साह की बजाय सतर्कता का माहौल बना हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.63 पर खुला। फिर और टूटकर 90.77 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 11 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया सोमवार को उतार-चढ़ाव भरा कारोबार करते हुए अंत में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.66 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ 97.79 पर रहा।

टीवीएस अपाचे बनी नंबर.1 बाइक, सबसे ज्यादा है ग्रोथ

नई दिल्ली। दोपहिया बाजार में 150सीसी से 200सीसी मोटरसाइकिल सेगमेंट में जबरदस्त 72प्रतिशत से अधिक की ग्रोथ दर्ज की गई। इस सेगमेंट पर दबदबा जमाने का काम टीवीएस अपाचे ने किया। टीवीएस अपाचे ने सभी कंपनियों को पीछे छोड़ते हुए 117प्रतिशत की सालाना ग्रोथ हासिल की। इतनी तेजी से बढ़ती बिक्री के चलते टॉप-16 मॉडलों में अकेले अपाचे ने 28.73प्रतिशत मार्केट शेयर पर कब्जा जमाया। दिसंबर 2025 में टीवीएस अपाचे की 45,507 यूनिट बिकीं, जो दिसंबर 2024 में दर्ज 20,885 यूनिट्स की तुलना में 24,622 यूनिट ज्यादा हैं। बजाज पल्सर ने भी मजबूत प्रदर्शन किया और दिसंबर 2025 में इसकी 35,620 यूनिट्स बिकीं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 70.66प्रतिशत अधिक है। होंडा यूनिकॉर्न ने भी 60प्रतिशत से ज्यादा की ग्रोथ दर्ज की और दिसंबर 2025 में इसकी 33,640 यूनिट्स की बिक्री हुई। यामाहा के मॉडलों की बात करें तो एक्सएसआर की 14,951 यूनिट्स बिकीं। एफझेड ने 20.25प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की और 10,291 यूनिट्स बिकीं, जबकि आर15 की बिक्री 27.73प्रतिशत बढ़कर 5,453 यूनिट पहुंची। हालांकि एमटी-15 की बिक्री घटी और इसे 15.72प्रतिशत की डिग्रोथ का सामना करना पड़ा। केटीएम 200 ने भी दमदार प्रदर्शन किया और 58.95प्रतिशत की ग्रोथ के साथ 2,815 यूनिट्स बिकीं। होंडा एसपी 160 की बिक्री गिरकर 1,765 यूनिट रह

गई, जिसे 60प्रतिशत से अधिक की डिग्रोथ दर्ज हुई। हीरो एक्सपल्स 200 की 1,086 यूनिट्स बिकीं और इसे 16.77प्रतिशत की ग्रोथ मिली। बजाज एवेंजर ने 48.84प्रतिशत की बढ़त हासिल की, जबकि होंडा हॉर्नेट 2.0 और हीरो एक्सट्रीम 160आर/200 को गिरावट का सामना करना पड़ा। सुजुकी जिक्सर इस सूची की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बाइक रही, जिसकी बिक्री 531 यूनिट तक पहुंची और इसे 453 प्रतिशत की रिकॉर्डतोड़ ग्रोथ मिली।

नए साल में चार नई इलेक्ट्रिक कारें लॉन्च करेगी टाटा मोटर्स

नई दिल्ली। स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स नए साल में चार नई इलेक्ट्रिक कारें लॉन्च करने जा रही है, जिनमें मौजूदा मॉडलों के फेसलिफ्ट वर्जन और बिल्कुल नए इलेक्ट्रिक वाहन शामिल हैं। कंपनी भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में अपनी पकड़ को और मजबूत करने की तैयारी में है। टाटा का लक्ष्य हुंडई और महिंद्रा जैसी कंपनियों को कड़ी चुनौती देते हुए ईवी सेगमेंट में अपनी लीड को बरकरार रखना है। कंपनी की सबसे पहली अपकमिंग इलेक्ट्रिक कार है पंच ईवी, जो 20 फरवरी 2026 को अपडेटेड रूप में लॉन्च होगी। इस एंट्री-लेवल इलेक्ट्रिक एसयूवी में नया फ्रंट ग्रिल, कनेक्टेड एलईडी डीआरएल और नए अलॉय व्हील्स मिलने की उम्मीद है। इसमें 45 केडब्ल्यूएच बैटरी के साथ 120 बीएचपी की पावर और

190 एनएम टॉर्क दिया जा सकता है, जिससे इसकी परफॉर्मेंस और रेंज दोनों बेहतर होंगे। दूसरी कार टियागो ईवी फेसलिफ्ट है, जिसके मई 2026 में आने की संभावना है। इसमें नया फ्रंट डिजाइन, अपडेटेड टेल लैंप्स और बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया जा सकता है। टियागो ईवी के दोनें बैटरी विकल्प 19.2 केडब्ल्यूएच और 24 केडब्ल्यूएच जारी रहने की उम्मीद है, जिससे यह ग्राहकों के लिए एक किफायती और प्रैक्टिकल विकल्प बन सकती है। तीसरी कार टाटा सिएरा ईवी है, जो इस साल के फेस्टिव सीजन में लॉन्च हो सकती है।

नई रेनो डस्टर जल्द होगी भारत में लॉन्च, तैयारी तेज

नई दिल्ली। भारत में रेनो अपनी नई डस्टर को जल्द लांच करने जा रही है। कंपनी ने इसकी तैयारी तेज कर दी है। इसी बीच नई डस्टर को पहली बार बिना किसी कैमोफ्लाज के सड़क पर दौड़ते हुए देखा गया है। यूट्यूब चैनल पर शेयर हुए वीडियो में यह एसयूवी अपने खाकी ग्रीन कलर में नजर आई, जिससे इसके दमदार रोड प्रेजेंस का साफ अंदाजा लगता है। वीडियो में डस्टर का रियर लुक, कनेक्टेड एलईडी टेललाइट्स, आकर्षक बंपर, साइड प्रोफाइल और 18 इंच के अलॉय वील्स भी स्पष्ट दिखाई देते हैं, जो इसके डिजाइन को और अधिक प्रीमियम बनाते हैं। इंटीरियर की बात करें तो नई डस्टर को कई हाईटेक फीचर्स के साथ अपडेट किया गया है। इसमें 10 इंच की इंफोटेनमेंट स्क्रीन दी गई है, जो गूगल ओएस पर चलती है और पहले से मौजूद ऐप्स की वजह से एंड्रॉयड ऑटो की जरूरत को खत्म कर देती है। इसके साथ 10.25 इंच का टीएफटी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, वायरलेस चार्जिंग पैड, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, पैनोरमिक सनरूफ, इलेक्ट्रिक टेलगेट और अडास जैसे कई प्रीमियम फीचर्स भी शामिल हैं, जिससे इसका केबिन और भी मॉडर्न और कंफर्टेबल हो जाता है। नई रेनो डस्टर तीन दमदार इंजन ऑप्शन के साथ पेश की जाएगी। बेस वेरिएंट में 100 पीएस वाला

1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन मिलेगा। वहीं टॉप वेरिएंट में 1.3 लीटर का टर्बो पेट्रोल इंजन होगा, जो 163 पीएस की पावर और 280 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है और 6-स्पीड डीसीटी से लैस है। इसके अलावा 1.6 लीटर पेट्रोल हाइब्रिड इंजन भी उपलब्ध होगा, जो 160 पीएस की पावर और 1.4केडब्ल्यूएच बैटरी पैक के साथ आएगा। कंपनी ने लॉन्च डेट का खुलासा नहीं किया है, लेकिन नॉन-हाइब्रिड वेरिएंट की डिलीवरी मार्च 2026 से शुरू होगी, जबकि हाइब्रिड वेरिएंट दिवाली के आसपास ग्राहकों तक पहुंचेगा। नई डस्टर मध्यम आकार की एसयूवी श्रेणी में होगी।

अस्सी का ट्रेलर आउट, दमदार अंदाज में दिखीं तापसी पन्नू

निर्देशक अनुभव सिन्हा और अभिनेत्री तापसी पन्नू की जोड़ी एक बार फिर एक नई कहानी लेकर आई है। 'मुल्क और 'थप्पड़ जैसी सफल फिल्मों के बाद अब ये जोड़ी फिल्म 'अस्सी लेकर आई है। पिछले दिनों फिल्म की घोषणा की गई थी, तबसे ही दर्शक इसका इंतजार कर रहे हैं। अब आज फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। ट्रेलर काफी दमदार लग रहा है और एक बार फिर अनुभव सिन्हा अपनी फिल्म के जरिए कई सवाल खड़े करते हैं। 2 मिनट 52 सेकंड के इस ट्रेलर की शुरुआत कोर्ट में वकील के तौर पर तापसी पन्नू के किरदार से होती है। जहां वो बताती हैं कि 'अपराध वाले दिन देशभर में 80 रेप कंपलेंट हुई थीं, जिनमें से 76 का तो ट्रायल भी स्टार्ट नहीं हुआ है। इसके बाद दिखाया जाता है कि एक महिला को एक कार से किडनैप कर लिया जाता है। बाद में उस महिला का गैंगरेप करके उसको रेलवे पटरियों के पास छोड़ दिया जाता है। फिर पुलिस इन्वेस्टिगेशन और कोर्ट केस चलता है। 'अस्सी एक कोर्टरूम ड्रामा जिसमें बलात्कार जैसे गंभीर और संवेदनशील मुद्दे पर बात की गई है। फिल्म में तापसी पन्नू एक वकील के किरदार में नजर आई हैं, जबकि कानी कुसृति ने रेप पीड़िता की भूमिका निभाई है। ट्रेलर से पता चलता है कि अनुभव सिन्हा एक बार फिर एक दमदार कहानी लेकर आए हैं, जो बलात्कार जैसे गंभीर मुद्दे पर सवाल उठाती है। अनुभव सिन्हा द्वारा निर्देशित और टी-सीरीज द्वारा निर्मित फिल्म की स्टारकास्ट काफी दमदार है। फिल्म में तापसी पन्नू के अलावा मनोज पाहवा, कुमुद मिश्रा, जीशान अय्यूब, नसीरुद्दीन शाह, सुप्रिया पाठक, सीमा पाहवा, कानी कुसृति और रेवती भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। ट्रेलर में इन सभी किरदारों की भी झलक देखने को मिलती है। 'अस्सी 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ट्रेलर देखकर कई बार आपको 'पिंक और 'आर्टिकल 15 जैसी फिल्मों की झलक भी दिखेगी। अनुभव सिन्हा की फिल्मों का वैसे भी दर्शकों को काफी इंतजार रहता है। तापसी पन्नू और अनुभव सिन्हा की ये साथ में तीसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों साथ में मुल्क और थप्पड़ जैसी फिल्में कर चुके हैं। ये दोनों ही फिल्में बॉक्स ऑफिस पर भी सफल हुई थीं और क्रिटिकली भी फिल्म को काफी पसंद किया गया था। ऐसे में अब ये जोड़ी अस्सी लेकर आ रही है। इसलिए दर्शकों को इस फिल्म से काफी उम्मीदें हैं।

अब एक महीने पहले रिलीज होगी अक्षय की भूत बंगला, अभिनेता ने चला बड़ा पैंतरा

प्रियदर्शन के निर्देशन में बनने वाली अक्षय कुमार की मच अवेटेड फिल्म 'भूत बंगला का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। लेकिन अब एक बार फिर 'भूत बंगला की रिलीज डेट में बदलाव हुआ है। पहले 2 अप्रैल को रिलीज होने वाली इस फिल्म को बाद में 25 मई को रिलीज किया जाना था। लेकिन अब मेकर्स ने एक बार फिर रिलीज की तारीख बदल दी है। जानिए अब किस दिन सिनेमाघरों में आएगी फिल्म और आखिर क्यों लिया गया ये फैसला? अभिनेता अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो जारी कर फिल्म की नई रिलीज डेट की घोषणा की है। अक्षय ने एक वीडियो साझा किया है, इसमें एक काली बिल्ली नजर आती है। डरावनी आंखों वाली ये बिल्ली कैलेंडर पर 15 मई की तारीख को पंजे से नोच देती है। इसके बाद बिल्ली अप्रैल के महीने में कैलेंडर पर गिरे दूध को चाटती है, जहां पर 10 तारीख सामने आती है। इसके साथ ही ये घोषणा की जाती है कि 'भूत बंगला अब 25 मई की जगह 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इसको शेयर करते हुए अक्षय ने कैप्शन में लिखा, 'भूत बंगला का काउंटडाउन फिर से शुरू करते हैं। फिल्म 25 मई को नहीं बल्कि 10 अप्रैल को रिलीज होगी। मिलते हैं थिएटर्स में। जब फिल्म की घोषणा की गई थी तब इसे 2 अप्रैल को रिलीज किया जाना था। लेकिन बाद में मेकर्स ने फिल्म की रिलीज को 2 अप्रैल की जगह बढ़ाकर 25 मई कर दिया। हालांकि, अब मेकर्स ने एक बार फिर रिलीज को बदलते हुए लगभग एक महीना पहले 10 अप्रैल कर दिया है। मेकर्स की ओर से अभी इसकी वजह तो नहीं बताई गई है। लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि रिलीज डेट को आगे बढ़ाने का यह फैसला एक रणनीतिक कदम है। इसमें दर्शकों की रुचि और साल भर में अक्षय कुमार की व्यस्त थिएट्रिकल रिलीज लाइनअप को ध्यान में रखा गया है। हालांकि, 10 अप्रैल को ही आदिवी शेष और मृणाल ठाकुर स्टारर 'डकैत भी रिलीज होनी है। 'डकैत पहले 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होनी थी, लेकिन 'धुरंधर 2 और 'टॉक्सिक से क्लैश बचाने के चक्कर मेकर्स ने इसे टालकर 10 अप्रैल कर दिया। प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित 'भूत बंगला में अक्षय कुमार के साथ वामिका गब्बी, परेश रावल, तब्बू और राजपाल यादव सरीखे सितारे भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म को अक्षय कुमार के साथ शोभा कपूर और एकता कपूर के बालाजी मोशन पिक्चर्स ने मिलकर प्रोड्यूस किया है।

विश्वक सेन की फिल्म फंकी का ट्रेलर रिलीज, 13 फरवरी को होगी ग्रैंड रिलीज

मास का दास विश्वक सेन अपनी आने वाली फिल्म फंकी के साथ फिल्म प्रेमियों का मनोरंजन करने आ रहे हैं, जिसका टाइटल काफी दिलचस्प है।जाति रत्नालु फेम केवी. अनुदीप द्वारा निर्देशित यह फिल्म 13 फरवरी 2026 को ग्रैंड रिलीज के लिए तैयार है। यह फिल्म वैलेंटाइन्स डे स्पेशल के तौर पर रिलीज हो रही है। फिल्म के प्रमोशन, गाने और टीज़र को अच्छा रिस्पॉन्स मिला और आज मेकर्स ने ट्रेलर रिलीज किया। ट्रेलर में बहुत सारे मज़ेदार एलिमेंट्स हैं। के.वी. अनुदीप की डायरेक्शन और विश्वक सेन के अंदाज़ ने सभी का ध्यान खींचा। विश्वक सेन के एक्सप्रेशंस और मज़ेदार डायलॉग्स और कायाडू लोहार की मौजूदगी ने फिल्म में ग्लैमर जोड़ा। नरेश और वीटीवी गणेश ने फिल्म में विश्वक सेन के साथ मिलकर कॉमिक टच दिया। फिल्म का म्यूज़िक भीम्स सेसिरोलियो ने दिया है, जबकि नागा वामसी एस और साई सौजन्या सितारा एंटरटेनमेंट्स, फॉर्च्यून फोर सिनेमाज और श्रीकरा स्टूडियोज के बैनर तले फिल्म प्रोड्यूस कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेकर्स ने फिल्म का रनटाइम 2 घंटे 8 मिनट तय किया है।

पिंक लहंगे में पलक तिवारी मचाया गदर, ग्लैम लुक ने सोशल मीडिया पर मचाया तहलका

एंटरटेनमेंट की दुनिया में श्वेता तिवारी अपनी फिटनेस और खूबसूरती को लेकर अकसर सुर्खियों में छाई रहती हैं, लेकिन इश बार उनकी बेटी यंग डीवा पलक तिवारी ने अपने स्टाइलिश और ग्लैमरस लुक्स से अपनी मां को भी पीछे छोड़ दिया है. हाल ही में पलक ने अपनी कुछ नई तस्वीरें शेयर कीं हैं, जिन्हें देखकर फैंस दीवाने हो रहे हैं. आइए जानते हैं इस हसीना का लेटेस्ट लुक क्यों बना चर्चा का विषय. बॉलीवुड एक्ट्रेस पलक तिवारी ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ नई तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिनमें वह पिंक कलर के लहंगे में नजर आ रही हैं. उनका यह लुक सोशल मीडिया पर छा गया है. जिसपर फैंस दिल खोलकर प्यार लुटा रहे हैं. मिरर वर्क वाले इस खूबसूरत लहंगे ने पलक की खूबसूरती को और भी निखार दिया है. इस लहंगे के साथ उन्होंने मैचिंग स्लीवलेस डीप नेक ब्लाउज पहना है, जिसने उनके पूरे लुक में एक ग्लैमरस टच जोड़ा है. पलक ने अपने पूरे लुक को सिंपल लेकिन एलिगेंट रखा. उन्होंने सटल मेकअप, मैचिंग इयररिंग्स और खुले बालों के साथ अपने स्टाइल को कंप्लीट किया है. जिसमें वो किसी स्वर्ग से उतरी अप्सरा से कम नहीं लग रहीं हैं. उनकी ये तस्वीरें फैंस के बीच तेजी से वायरल हो रही है और कमेंट सेक्शन में लोग उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं. कई यूजर्स ने लिखा कि पलक अपने हर नए लुक के साथ खुद को और ज्यादा स्टाइलिश साबित करती हैं. इन तस्वीरों में देखा जा सकता हैं, कि पलक कैसे एक से बढ़कर एक पोज दे रहीं हैं, कभी जमीन पर बैठकर तो कभी खड़े होकर एक्ट्रेस पूरे कॉन्फिडेंस के साथ किलर पोज जे रहीं हैं, जो फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ा रहे हैं. इन तस्वीरों में खास बात है, पलक पिंक कलर का आउटफिट और वहीं पलक का पिंक मेकअप जिसमें उनकी खूबसूरती देखते ही बन रही हैं, इशकी के साथ पलक ने इन फोटोज के लिए पिंक कलर के बैकग्राउड को भी चुना है. पलक तिवारी की हाल ही में द भूतनी सिनेमा घरों में रिलीज हुई थी, जिसमें उनके साथ संजय दत्त, मौनी रॉय जसे सितारे नजर आए थे, फिल्म सिनेमाघरों में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई, लेकिन फैंस को पलक की एक्टिंग खूब पसंद आई.

अर्जुन सरजा की फिल्म सीता पयनम की रिलीज डेट से उठा पर्दा, 14 फरवरी पर वर्ल्डवाइड होगी रिलीज

सिनेमा में जब कोई फिल्म परिवार, प्यार और एक्शन को साथ लेकर आती है, तो उसका इंतजार लोग बेसब्री से करते हैं। इस कड़ी में अभिनेता और निर्देशक अर्जुन सरजा की नई फिल्म सीता पयनम को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह है। यह फिल्म रोमांचक कहानी से भरपूर है। दर्शक फिल्म से जुड़ी हर एक छोटी-छोटी अपडेट पर नजरें गड़ाए बैठे हैं। अब फिल्म निर्माताओं ने इसकी रिलीज़ डेट से पर्दा उठा दिया है। सीता पयनम का निर्माण श्रीराम फिल्म्स कर रही है, और यह अर्जुन सरजा का नया निर्देशन प्रोजेक्ट है। फिल्म में एक्शन, ड्रामा और पारिवारिक भावनाओं का मिश्रण है, यह सभी उम्र के दर्शकों का मनोरंजन करेगा। फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा करते हुए श्रीराम फिल्म्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर लिखा, प्यार से, शुक्रगुजारी से, एक सफर शुरू होता है। सीता पायनम यह फिल्म वैलेंटाइन डे के मौके पर यानी 14 फरवरी 2026 पर वर्ल्डवाइड रिलीज होगी। यह दुनिया भर में तेलुगु, कन्नड़, तमिल, मलयालम और हिंदी भाषा में उपलब्ध होगी। फिल्म में अर्जुन सरजा की बेटी, ऐश्वर्या अर्जुन मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी उनके किरदार के इर्द-गिर्द घूमती है। इसके अलावा, फिल्म में निरंजन, सत्यराज, प्रकाश राज और कोवई सरला जैसे अनुभवी कलाकार भी हैं। फिल्म में अर्जुन सरजा खुद एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। वहीं उनके भतीजे ध्रुवा सरजा ने भी फिल्म में एक विशेष भूमिका निभाई है। फिल्म की तकनीकी टीम भी काफी मजबूत है। सिनेमेटोग्राफी जी. बालामुरुगन संभाल रहे हैं, जबकि अनूप रुबेंस फिल्म में दमदार म्यूजिक देंगे। एडिटिंग का काम अयूब खान कर रहे हैं और साई माधव बुरा ने फिल्म के डायलॉग्स लिखे हैं। एक्शन और स्टंट सीक्वेंस बाबू ने डिजाइन किए हैं। फिल्म में श्रास्ती कोरियोग्राफर हैं। वहीं गानों के बोल चंद्र बोस और कसारला श्याम ने लिखे हैं।

पैन इंडिया फिल्म नागबंधम से नाभा नतेश की पहली झलक जारी, दिखा खूबसूरत अंदाज

अभिषेक नामा की बहुप्रतीक्षित पौराणिक ड्रामा फिल्म नागबंधम को लेकर चर्चा बढ़ती जा रही है। दक्षिण भारतीय सिनेमा के अभिनेता विराट कर्ण और ईश्वर्या मेनन की मुख्य भूमिका वाली इस पैन इंडिया फिल्म से अभिनेत्री नाभा नतेश की पहली झलक जारी हुई है। पार्वती के रूप में अभिनेत्री की पहली झलक देखने लायक है जो लोगों का ध्यान खींच रही है। नागबंधम का निर्माण किशोर अन्नापुरेड्डी और निशिता नागिरेड्डी ने अभिषेक पिक्चर्स और एनआईके स्टूडियोज के बैनर तले किया है। पोस्टर में अभिनेत्री नाभा को दिव्य और पारंपरिक अवतार में दिखाया गया है। लाल रंग की साड़ी और भारी-भरकम आभूषणों में उनका लुक दमदार नजर आ रहा है। पीछे दिख रही नीली चिड़िया, मोर और प्राचीन मंदिर पोस्टर की भव्यता में चार चांद लगा रहे हैं। इंस्टाग्राम पर पोस्टर के साथ कैप्शन दिया गया, रहस्यों से घिरी दुनिया में, उसका विश्वास ही उसकी नियति बन जाता है। नागबंधम से पार्वती के रूप में खूबसूरत नाभा नटेश का परिचय। नागबंधम की कहानी भारत के प्राचीन विष्णु मंदिरों के रहस्यों पर बुनी गई है।

शाल्मली खोलगड़े का नया ट्रैक इम्प्रेशन रिलीज, बोलीं- महिला खुद तय करे रिश्ते की दिशा, यही मेरे नए गाने की सोच है

बॉलीवुड और म्यूजिक इंडस्ट्री में समय के साथ प्यार, रिश्तों और महिलाओं की भूमिका को देखने का नजरिया लगातार बदल रहा है। पहले के गानों में महिलाओं को अक्सर इंतजार करती, त्याग करती और भावनाओं में डूबी हुई दिखाया जाता था, वहीं आज के कलाकार नई सोच और नए आत्मविश्वास के साथ सामने आ रहे हैं।

इसी बदले हुए दौर की एक मजबूत झलक प्लेबैक सिंगर शाल्मली खोलगड़े के नए गाने इम्प्रेशन में देखने को मिलती है। अपने इस नए गाने के जरिए शाल्मली ने एक म्यूजिकल एक्सपेरिमेंट किया है, जिसमें महिला खुद अपने रिश्ते की दिशा तय करती है। परेशान, बलम पिचकारी और लत लग गई जैसे यादगार गानों से पहचान बनाने वाली शाल्मली खोलगड़े ने अपने नए ट्रैक इम्प्रेशन को लेकर कहा, मैं अपनी सोच और अभिव्यक्ति के साथ आगे बढ़ती हूं।यह गाना आज के दौर के रिश्तों को दर्शाता है, जहां आकर्षण दिखावे या बड़े-बड़े वादों से नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, संतुलन और अपने आप में सहज होने से पैदा होता है। इसी सोच को गाना आगे बढ़ाने का काम करता है। म्यूजिक वीडियो में शाल्मली खुद डांस करती नजर आती हैं। शाल्मली ने गाने को लेकर कहा, इम्प्रेशन मेरे लिए बेहद खास है, क्योंकि इसमें मुझे संगीत और डांस दोनों के जरिए खुद को अभिव्यक्त करने का मौका मिला है। एक कलाकार के तौर पर यह मेरे लिए बहुत संतोषजनक अनुभव रहा। पुराने समय के गीतों में महिलाओं के लिए भावनात्मक भूमिकाएं पहले से तय रही हैं, जहां इंतजार, तड़प और त्याग को ही प्रेम का पर्याय मान लिया गया था, लेकिन आज की सच्चाई इससे कहीं ज्यादा व्यापक है। शाल्मली ने कहा, अब महिलाएं सिर्फ हालात का इंतजार करने वाली नहीं हैं, बल्कि वे खुद फैसले लेती हैं, नजरों से बात करती हैं और यह तय करती हैं कि रिश्ते की भावनात्मक गति कैसी होगी। इम्प्रेशन इसी सोच को सामने लाता है।

'Don't think ex-Army chief will lie': Rahul Gandhi reacts to publisher's statement on Gen Naravane's book

New Delhi, Agency: Leader of opposition in the Lok Sabha Rahul Gandhi on Tuesday reacted to the FIR filed by Delhi Police over the alleged circulation of former Army chief General Manoj Mukund Naravane's "unpublished memoir" and to the clarification issued by its publisher, Penguin Random House India.

Speaking to reporters, Rahul questioned Penguin's claim that the book had not been published and suggested there were contradictions between the publisher's stand and statements made earlier by General Naravane.

"Here is a tweet from Mr Naravane which says - 'Just follow the link to my book'," Gandhi said.

"The point I am making is - either Mr Naravane is lying or it is Penguin which is lying. I don't think the former Army chief will lie," he added.

Gandhi argued that despite Penguin's assertion that the memoir had not been released, it appeared to have been publicly promoted in the past.

"Penguin says the book has not been published. But the book is available on Amazon. Gen. Naravane has tweeted, 'Please buy my book in 2023.' I believe Naravane ji over Penguin. Do you believe Penguin over Naravane ji?" he asked.

The Congress leader alleged that the contents of the memoir might be the reason behind the current row.

"I believe Naravane ji has made certain statements in his book which are inconvenient for the government of India and the Prime Minister of India. Obviously, you have to decide if Penguin or the former Army chief is telling the truth," Gandhi said. His remarks came a day after Penguin Random House India (PRHI) issued a statement asserting that it holds exclusive publishing rights to the memoir Four Stars of Destiny and that the book has not yet been officially released. "Penguin Random House India would like to clarify that we hold the sole publishing rights for the book 'Four Stars of Destiny', a memoir by General Manoj Mukund Naravane, former Chief of the Indian Army. We wish to make it clear that the book has not gone into publication," the publisher said.

EC allegations on SIR: SC asks Bengal DGP to file affidavit

New Delhi, Agency: Supreme Court on Monday asked the West Bengal police chief to file a personal affidavit responding to Election Commission's allegation that governing party TMC functionaries were making systematic, deliberate and concerted attempts to "derail, paralyse and frustrate" the special intensive revision (SIR) of electoral rolls.

Though state counsel Menaka Guruswamy strongly refuted the charges, its seriousness was not lost on a bench of Chief Justice Surya Kant, Justices Joymalya Bagchi and N V Anjaria, which also asked Manoj Pant, the former chief secretary-turned principal secretary to CM Mamata Banerjee, to verify whether prompt action was taken based on EC's complaint against those state govt officials deputed for SIR work.

"We hope the state remembers the laws of the land," the bench said, hinting at the primacy of EC during the conduct of elections. Referring to its Jan 19 order directing the DGP, superintendents of police and collectors to maintain law and order at all cost, the bench said, "We, therefore, direct the DGP to file a personal affidavit in response to EC's affidavit. We will take a final call with respect to the power of EC in this regard. Before doing so, we are giving the DGP an opportunity to file an explanation."

Russia accounts for over 50% plaints by Indian students abroad: MEA

HYDERABAD, Agency: : At a time when a knife attack that left four Indian students injured in Russia has put the spotlight on the challenges faced by them in the country, latest external affairs ministry data shows that over 50% of all complaints of exploitation and racial discrimination reported by Indian students globally originate from Russia, with Moscow emerging as the biggest hotspot.

As per the data, Indian students across 196 countries registered around 350 complaints of exploitation, harassment and racial discrimination in 2025. Of these, more than 200 came from Russia alone.

]What has raised serious concern is the steep rise in such cases over the past three years - from 68 complaints in 2023 to 78 in 2024, before surging to 201 in 2025. The majority of Indian medical students in Russia belong to states such as Rajasthan, Gujarat, Andhra Pradesh, Telangana, Kerala and Tamil Nadu. While Russia remains one of the most popular destinations for Indian students, particularly those pursuing medical education, due to relatively lower tuition fees and easier admission processes, the sharp increase in complaints has triggered serious safety concerns.

Students in Russia whom Media spoke to said they are routinely discriminated against by students from other countries, with some even alleging mental harassment by universities themselves, including threats of expulsion over minor issues or violations.

Vedanta Targets 50% Women Hiring in STEM Roles, Crosses 35% Mark

DB Reporter

New Delhi: On the occasion of the International Day of Women and Girls in Science (February 11), Vedanta Limited announced a significant milestone in advancing gender diversity across its science and technology workforce. Women now account for more than 35% of the company's fresher recruitment in STEM roles, while overall participation, including leadership and management positions, has reached 45%. Building on this momentum, Vedanta has set an ambitious target of achieving 50% women representation in STEM hiring going forward.

The announcement marks a major step toward gender equality in traditionally male-dominated sectors such as metals, mining, manufacturing, and energy. The initiative aligns with the United Nations' International Day of Women and Girls in Science 2026 theme, which focuses on accelerating gender equality in science and innovation.

Despite women constituting nearly 40–45% of STEM graduates in India, their share in the global STEM workforce remains below 30%. Vedanta's efforts aim to bridge this gap by creating inclusive opportunities and enabling women to build long-term careers in technical and leadership roles.

Expanding Women's Roles in Mining and Metals

Over the past few years, Vedanta has introduced several pioneering initiatives to increase women's participation across its operations. The company is among the first in India to enable women to work in underground mining, night shifts, and on all-women aluminium production lines. These measures have helped redefine workplace norms in the mining and metals sector.

Priya Agarwal Hebbar, Non-Executive Director at Vedanta Limited and Chairperson of Hindustan Zinc Limited, said that science and technology will play a critical role in India's journey toward becoming a self-reliant and developed nation. She emphasized that true progress is achieved only when talent is given equal opportunities, adding that when young girls see opportunities in STEM, they not only choose science and engineering careers but also aspire to leadership.

Technology Driving Inclusion

The adoption of digital automation, real-time monitoring systems, and advanced safety technologies has transformed operational environments across Vedanta's facilities. These advancements have made workplaces safer and more inclusive, enabling women to participate equally in technical roles and night shifts without compromising safety.

Supporting Women at Every Career Stage

Vedanta has implemented a wide range of people-centric policies to support women throughout their professional journeys.

Won't let SIR be stalled, or genuine voters left out: Supreme Court

New Delhi, Agency: Supreme Court said Monday it would under no circumstance allow stalling of special intensive revision (SIR) of voter rolls in 12 states but said it was open to suggestions to ensure genuine voters are not left out, reports Dhananjay Mahapatra.

The CJI-led bench extended by a week the Feb 7 deadline for submission of documents by voters issued notice by EC, including 1.36 crore voters categorised under 'logical discrepancy'. It also sought a personal affidavit from the Bengal DGP on EC's charge of TMC functionaries making attempts to derail SIR. "We hope the state remembers the laws of the land," it said.

The bench of CJI Surya Kant, Justices Joymalya Bagchi and N V Anjaria, which had heard West Bengal CM Mamata Banerjee passionately argue for discontinuing SIR, frowned upon the state govt for not providing the names of 8,500 group B cadre officials to EC for assisting electoral revision officers (EROs) and assistant EROs in the massive document verification work. The displeasure had a dramatic effect as the West Bengal govt provided the list within minutes to EC in the court and said it would verify the suitability of the officials.

The court also dismissed the fear expressed by Banerjee's counsel Shyam Divan who told the bench that the process adopted by EC would lead to mass exclusion of voters given the fact that 50% of the cases of voters facing "logical discrepancy" scrutiny are misspelling of names, which happened due to translation errors.

"This is a speculative apprehension," the bench said, and allayed it by saying suitable officials, inducted by EC from among the 8,500 officers provided by the state govt, would assist the EROs and AEROs about the cases where notices have been issued merely because of spelling errors in names and facilitate their inclusion in voter lists.Though the Bengal govt, represented by a battery of senior advocates, vehemently argued against engagement of micro-observers drawn from central PSUs and the Union govt, the bench said the micro-observers along with the additional hands provided by the state govt would help the EROS and AEROs even though the the final decision on inclusion or deletion of voters from the final list would be taken by the EROs only.Since the Feb 7 deadline for document submission, its scrutiny and hearing period is extended by one week, the scheduled publication of the final voter list on Feb 14 is likely to be extended by one more week, that is to Feb 21.

Oil strategy guided by national interest: Foreign secretary Vikram Misri

New Delhi, Agency: The government on Monday said that India's oil sourcing strategy will be guided by national interest and it will not depend on any single country for its needs, while highlighting that actual purchases are done by petroleum companies, with decisions dependent on market conditions, availability, pricing and risk assessment.

The comments by foreign secretary Vikram Misri came three days after US President Donald Trump's executive order lifting the 25% penal tariff on India said the country had committed to stop purchasing Russian oil, either directly or indirectly. Amid the suspense over India's position on already-declining Russian oil imports, Misri said oil companies, public or private, will continue to make business choices driven by the considerations he outlined - a complex matrix of issues, including the important financial and logistical aspects.

His response followed repeated remarks by commerce & industry minister Piyush Goyal that only the foreign ministry could comment on whether India gave any such commitment to the US while arriving at the framework for an interim trade agreement, and accusations by opposition that govt was evading the question.

India needs $22tn for net zero by 2070; coal use to rise till 2047: Niti Aayog

New Delhi, Agency: At a time when India is working on its 2035 climate action targets, the govt's think tank, Niti Aayog, on Monday released a roadmap to achieve the country's 'net zero' emission goal by 2070, noting that the transition will need cumulative investment requirements of $22.7 trillion, around $500 billion annually, to finance several "high-level actions" to meet the twin objectives of 'Viksit Bharat' (developed India) and long-term carbon neutrality. It said at least $6 trillion out of the total investment requirement needs to come from external sources.

The govt think tank also underlined that India's coal consumption will continue to rise till 2047, giving enough hint of what India's updated climate action - Nationally Determined Contributions (NDC) - for 2035 would look like.

The roadmap - Scenarios Towards 'Viksit Bharat' and Net Zero: An Overview - emphasised India's vision of becoming a developed economy by 2047 and achieving 'net zero' emissions by 2070, saying it will require a "delicate balancing act".

"Many of the technologies needed for net zero have yet to reach commercial maturity, while mature low-carbon technologies often demand large up-front investments," the report said, referring to challenges.

Noting a scenario of transition to clean energy in India, the report flagged that the non-fossil fuel power generation (including captive) share is expected to increase from 23% in 2025 to 65% in the current policy scenario and 80% in the 'net zero' scenario by 2050. "It is further expected to rise above 80% by 2070 in the current policy scenario, and to 100% in the 'net zero' scenario, it said.

"The 'net zero' strategy is simple - first, electrify energy use. Two, green and clean electricity. Three, control demand through Mission LiFE. Four, focus on circularity and efficiency. Last, cheaper external finance is needed. Clearly stated, India's coal consumption will go up till 2047 even as energy intensity decreases and efficiency goes up, while meeting 'net zero' goals. India can leapfrog to be a global leader in clean technologies. 85% of India of 2047 is yet to be built and can be built to be climate-friendly," said B.V.R Subrahmanyam, CEO, NITI Aayog, on the occasion of the release of the report.

Besides focus on clean energy, the roadmap's high-level actions for India's 'net zero' transition include focus on circularity, urban mobility, efficient buildings, proper land use, critical minerals, and robust data for monitoring, reporting & verification (MRV) systems as core infrastructure.

On financing the transition, it noted that the power sector alone accounts for over half of total needs ($22.7 trillion), reflecting its central role in enabling economy-wide electrification and the expansion of low-carbon generation.